



वायुसेना का अब्दुत एयर शो देखने के लिए गंगा के दोनों तटों पर उमड़ा जनसैलाब काशी के आसमान में भारतीय वायुसेना का शक्ति प्रदर्शन



वेब वार्ता, वाराणसी

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी के आसमान में शनिवार को एक बार फिर भारतीय वायुसेना के साहस, कौशल और अदम्य पराक्रम का शानदार नजारा देखने को मिला। 'विंस ओवर

गंगा' के दूसरे दिन एयर शो देखने के लिए गंगा के दोनों तटों पर लोगों का भारी हुजूम उमड़ा। लड़ाकू विमानों की गर्जना, आसमान में उनकी तेज रफ्तार और हैरतअंगेज कतबों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। गंगा के ऊपर जहां भारतीय वायुसेना की हवाई ताकत

दिखाई दी, वहीं घाटों और तटों पर मौजूद लोगों के उत्साह ने पूरे माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। दर्शक भारत माता की जय, वंदे मातरम और हर-हर महादेव के जयकारे लगाते रहे। एयर शो के अंतिम दिन रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति रहेगी। इनमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह वाराणसी पहुंच चुके हैं जबकि प्रधानमंत्री मोदी रविवार को वाराणसी पहुंचेंगे।

भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'एयर फोर्स डे एरियल डिस्प्ले-2026' के तहत हुए इस प्रदर्शन में सुखाई-30

एमकेआई, राफेल, मिराज-2000, मिग-29, तेजस और जगुआर जैसे लड़ाकू विमानों ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। हार्वर्ड विमान के साथ सूर्यकिरण और सारंग प्रदर्शन टीमों ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा।

निर्धारित समय पूर्वाह्न 11:40 बजे गंगा के एक छोर से विमानों का आना शुरू हुआ। इसके बाद आसमान में अलग-अलग दिशाओं से विमानों की आवाजाही और संधे हुए हवाई करतबों का सिलसिला चलता रहा। तेज गति, सटीक तालमेल और रोमांचक फॉर्मेशन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विमानों की तकनीक और क्षमताओं पर आधारित कमेंट्री ने कार्यक्रम को और भी रोचक बनाया।

इससे लोगों को भारतीय वायुसेना

की कार्यप्रणाली, विमानों की विशेषताओं और उनकी सामरिक क्षमता को करीब से समझने का अवसर मिला।

हवाई प्रदर्शन में लड़ाकू विमानों के अलावा हेलीकॉप्टर, परिवहन विमान और अन्य सहायक विमानों ने भी हिस्सा लिया। हेलीकॉप्टर बेड़े में एलसीएच, चिन्कू, एएलएच मार्क-III, एएलएच मार्क-IV, अपाचे, चेतक, कामोव-31 और एमआई-17 वी5 शामिल रहे। परिवहन एवं सहायक विमानों में सी-295, सी-17, सी-130, ईईड-ब्ल्यूएंडसी, आईएल-78, एएन-32 और पी-8आई जैसे विमान शामिल थे। प्रदर्शन में भारतीय थल सेना के दो एएलएच हेलीकॉप्टरों तथा भारतीय नौसेना के एक पी-8आई विमान और एक कामोव-31 हेलीकॉप्टर ने भी भाग

लिया। भारतीय वायुसेना के गरुड़ विशेष बल की भागीदारी ने कार्यक्रम के सामरिक महत्व को और बढ़ाया।

आयोजित प्रदर्शन में कुल 100 विमानों ने भाग लिया। इनमें 52 लड़ाकू विमान, 15 परिवहन विमान, 32 हेलीकॉप्टर और एक ऐतिहासिक विमान शामिल रहा। इन विमानों ने देश के 12 वायु अड्डों से उड़ान भरी। गंगा के ऊपर आयोजित इस भव्य प्रदर्शन ने भारतीय वायुसेना की हवाई शक्ति, तकनीकी दक्षता और व्यापक परिचालन क्षमता की झलक पेश की। वाराणसी में आयोजित यह एयर शो काशीवासियों और यहां पहुंचे पर्यटकों के लिए यादगार अनुभव बना। गंगा के दोनों किनारों से आसमान में उड़ते विमानों को निहारते दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था।



विंध्य-बुंदेलखंड के लिए नई लाइफलाइन बनेगी रेल कनेक्टिविटी : अश्विनी वैष्णव

वेब वार्ता, भोपाल

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज का दिन विंध्य और बुंदेलखंड के लिए नई लाइफ लाइन बनने का दिन है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले इन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इससे क्षेत्र के नागरिकों का वर्षों पुराना सपना पूरा हो रहा है। रेल मंत्री वैष्णव शनिवार को नई दिल्ली से मध्य प्रदेश के सतना जिले में सतना-देवेन्द्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन का उद्घाटन कार्यक्रम को वचुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के विभिन्न हिस्सों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने और रेल सुविधाओं के विस्तार का कार्य किया जा रहा है।

रेल मंत्री ने कहा कि सतना, देवेन्द्र नगर, रीवा और चुरहट सहित आसपास के क्षेत्रों को इस रेल सुविधा का लाभ मिलेगा। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से विंध्य और बुंदेलखंड में औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा और क्षेत्र में नए औद्योगिक कॉरिडोर के विकास की संभावनाएं बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि रेल सुविधाओं के विस्तार से चिकित्सा सहित अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये के रेलवे प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। प्रदेश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों के विकास और यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। खजुराहो, ग्वालियर सहित अनेक स्टेशनों पर विकास कार्य जारी है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मध्य प्रदेश में लंबी और छोटी दूरी की 100 से अधिक रेल सेवाएं शुरू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आने वाले वर्षों में

चर्च पर हमला जघन्य, आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार नहीं: जयशंकर नई दिल्ली। जॉर्डन के करक स्थित एक चर्च पर हुई गोलीबारी की भारत ने कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि चर्च पर हमला जघन्य है और हम आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं करते हैं। देश इस दुख की घड़ी में जॉर्डन के साथ खड़ा है। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट कर इस घटना पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा, इस दुखद घटना में कई निर्दोषों की जान चली गई और कई घायल हो गए। हम पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। वहीं आतंकवाद के विरुद्ध भारत की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए उन्होंने लिखा, इस कठिन घड़ी में भारत जॉर्डन के हप्तमाइट साम्राज्य की सरकार और वहां के मित्रवत लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। हम आतंक विरोधी रुख को लेकर अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। वहीं, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने भी शनिवार को एक बयान जारी कर इसे जघन्य हमला करार दिया है।



कई मेमू रेल गाड़ियां मध्य प्रदेश में प्रारंभ की जाएंगी। वैष्णव ने कहा कि विश्व धरोहर खजुराहो में भव्य रेलवे स्टेशन बन रहा है। ग्वालियर स्टेशन की भव्यता ऐसी होगी कि कई एयरपोर्ट इससे पीछे नजर आएंगे। आज भारतीय रेलवे देश के नागरिकों के प्रति श्रद्धा और कर्तव्यभाव के साथ अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है।

इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वचुअली सतना-देवेन्द्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन का उद्घाटन किया। साथ ही देवेन्द्र नगर-चुरहट ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मोहन सतना में आयोजित कार्यक्रम में धार जिले के सरदारपुर से वचुअली शामिल हुए। इस अवसर पर नागौद एवं चुरहट रेलवे स्टेशन पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विंध्य और बुंदेलखंड को रेलवे की नई सौगात, क्षेत्रीय विकास को मिलेगी गति : मुख्यमंत्री : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुभारंभ कार्यक्रम को वचुअली सम्बोधित करते हुए कहा कि आज विंध्य और बुंदेलखंड के लिए रेलवे की नई सौगात का दिन है। यह रेल परियोजना मध्य प्रदेश को विकास के नए दौर में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लगभग 541 किलोमीटर

की परियोजना से इस क्षेत्र में रेल नेटवर्क का विस्तार होगा और लंबे समय से रेल कनेक्टिविटी की आवश्यकता महसूस कर रहे क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। उन्होंने इस सौगात के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश को लगभग 1 लाख 50 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लाभ मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेल संपर्क बढ़ने से किसानों को अपनी उपज बड़े बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार होगा और लॉजिस्टिक्स सुविधाएं बेहतर होंगी। विद्यार्थियों सहित आम नागरिकों को आवागमन के लिए बेहतर विकल्प उपलब्ध होंगे। यह रेल परियोजना पन्ना, रीवा, सीधी, सिंगरौली और सतना सहित विंध्य एवं बुंदेलखंड के क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने के साथ मध्यप्रदेश और उत्तर-प्रदेश के मध्य संपर्क को भी मजबूत करेगी।

ऑकरेश्वर ज्योतिर्लिंग और खंडवा के बीच नई रेलवे लाइन का जल्द होगा लोकार्पण: मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में रेलवे के विस्तार का कार्य तेजी से चल रहा है। वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं संचालित हो रही हैं। मध्य प्रदेश में विकास का स्वर्णिम समय

भाजपा ने झारखंड बनाया, अब उसे संवारने की जिम्मेदारी भी हमारी : नितिन नवीन



रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि जिस झारखंड राज्य की स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी, उसे अब संवारने की जरूरत है। भाजपा ने झारखंड का निर्माण किया है और अब उसे संवारने की जिम्मेदारी भी भाजपा ही निभाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और राज्य में पार्टी की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ काम करने का आह्वान

किया। नितिन नवीन शनिवार को रांची के सुकुरहुट स्थित हवेली बैंकैट हॉल में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने झारखंड से अपने आत्मीय संबंधों, राज्य गठन के इतिहास, संगठन की राजनीतिक संभावनाओं, केंद्र सरकार की उपलब्धियों और राज्य की गठबंधन सरकार की कार्यप्रणाली पर विस्तार से विचार रखे।

न्यूजक्लिक मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची ईडी



नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है, जिसमें न्यूजक्लिक और इसके एडिटर-इन-चीफ प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ दर्ज धनशोधन मामला रद्द कर दिया था। यह मामला एफडीआई नियमों के उल्लंघन के आरोपों से जुड़ा था। सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका में, एजेंसी ने तर्क दिया कि हाईकोर्ट ने पीएमएलए मामले की ठीक से जांच किए बिना ही उनकी 'एनफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट' (ईसीआईआर) रद्द कर दिया। साथ ही, यह भी कहा गया कि फैसला सुनाने में पांच महीने की अत्यधिक देरी हुई। इस मामले को अभी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया है। 29 मई के अपने फैसले में, हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि दिल्ली पुलिस की 'इकोनॉमिक ऑफेंस विंग' (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज एफआईआर को जारी रखना 'कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग' है। उन्होंने कहा कि जब मुख्य अपराध (प्रिडिकेट ऑफेंस) से जुड़ी एफआई ही रद्द हो गई है, तो इस मामले में ईडी की ईसीआईआर को भी बंद कर दिया जाना चाहिए।

वेब वार्ता, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक जैसी तकनीकों का सहारा लेकर अपराध करने वाले लोग भी उत्तर प्रदेश की वैज्ञानिक जघन और विधिक क्षमता से बच नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि तकनीक का उपयोग मानवीय विवेक के अनुसार होना चाहिए, न कि मनुष्य पूरी तरह तकनीक पर निर्भर हो जाए। वैज्ञानिक साक्ष्यों और आधुनिक फॉरेंसिक जांच से अपराध अनुसंधान को प्रभावी बनाने के साथ न्याय में होने वाली देरी भी कम की जा सकती है। मुख्यमंत्री शनिवार को लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'टेक संगम 2026' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने क्वांटम फॉरेंसिक्स और विधिक अनुपालन के लिए उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ किया। साथ ही सहमति प्रबंधन पोर्टल का लोकार्पण किया, 'अपेक्ष' परियोजना की आधारशिला रखी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित निर्माण विषयक

पुस्तक का विमोचन किया।

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रदेश की सभी 18 पुलिस परिक्षेत्रों में फॉरेंसिक प्रयोगशालाएं विकसित की जा रही हैं। इनमें 12 प्रयोगशालाएं तैयार हो चुकी हैं, जबकि 6 अन्य का कार्य अंतिम चरण में है। इसके अतिरिक्त 150 से अधिक फॉरेंसिक वाहन तैनात किए गए हैं, ताकि घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाकर जांच में तेजी लाई जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को तकनीकी विकास का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए 2030 तक 5 गीगावाट डेटा केंद्र क्षमता विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 5 बड़े डेटा केंद्र समूह विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 2017 के बाद प्रदेश में 35 हजार नए उद्योग स्थापित हुए हैं और राज्य को 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं।

सम्मेलन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ शिक्षा, फॉरेंसिक विज्ञान, तकनीक तथा कौशल विकास के क्षेत्र में समझौते भी किए गए। कार्यक्रम में नीति आयोग के सदस्य अभय करंदीकर, अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ इंडियानापोलिस की



2017 के बाद प्रदेश में लगे 35 हजार नए उद्योग

औद्योगिक विकास और निवेश के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1947 से 2017 तक उत्तर प्रदेश में करीब 14 हजार उद्योग स्थापित हुए थे, जबकि 2017 के बाद 35 हजार नए उद्योग लगे हैं। उन्होंने इस बदलाव का संबंध बेहतर कानून-व्यवस्था और निवेश के अनुकूल माहौल से जोड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के पास करीब 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक है और राज्य को 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

अध्यक्ष तनुजा सिंह, पुलिस महानिदेशक निदेशक जी.के. गोस्वामी सहित अनेक राजीव कृष्ण और संस्थान के संस्थापक विशेषज्ञ एवं शिक्षाविद उपस्थित रहे।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने काशी विश्वनाथ और संकटमोचन मंदिर में किए दर्शन-पूजन

वेब वार्ता, वाराणसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार शाम उत्तर प्रदेश की धर्मनगरी वाराणसी के श्री संकटमोचन मंदिर और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन कर देश में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। वह भारतीय वायुसेना के 94 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को नमोघाट पर आयोजित होने वाले मेगा एयरशो 'विंस ओवर गंगा' के समापन समारोह में शामिल होने वाराणसी पहुंचे हैं।

रात्रि विश्राम से पहले रक्षामंत्री सबसे पहले श्री संकटमोचन मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विंध-विधान से दर्शन-पूजन किया। इस दौरान मंदिर के महंत प्रो. विश्वंभरनाथ मिश्र भी मौजूद रहे। मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। संकटमोचन मंदिर में दर्शन के बाद राजनाथ सिंह श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में बाबा विश्वनाथ के पावन ज्योतिर्लिंग का अभिषेक किया और षोडशोपचार विधि से के अपने फैसेले में, देशवासियों के सुख, शान्ति और कल्याण की प्रार्थना की। इस दौरान भाजपा के नेता, जनप्रतिनिधि तथा सेना और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। दर्शन-पूजन के बाद रक्षामंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, "मुझे वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य मिला है। महादेव की कृपा हमारे देश के सभी लोगों पर बनी रहे। हर-हर महादेव!"



अनावश्यक बैरिकेडिंग कर दर्शकों को न रोके पुलिस : योगी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि एयर शो के दौरान गंगा घाटों तक पब्लिक की पहुंच आसान की जाए। अनावश्यक बैरिकेडिंग कर दर्शकों को न रोका जाए। भीड़ के महेनजर ट्रैफिक का समुचित प्रबंध करें। उन्होंने प्रधानमंत्री के आगमन एवं एयर शो के लिहाज से घाट सहित अन्य आवश्यक सभी स्थानों पर सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था के भी निर्देश दिए। वाहन पार्किंग के पर्याप्त स्थल, रूट डायवर्जन के साथ सुगम यातायात पर जोर दिया। मुख्यमंत्री योगी शाम करीब पौन छह बजे लखनऊ से सम्पूर्णानंद संस्कृत विवि के मैदान में बने हेलीपैड पर पहुंचे। यहां से सर्किट हाउस गए। वहां साभागार में बैठक के दौरान डीएम सत्येंद्र कुमार तथा पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने जिला तथा पुलिस प्रशासन की तैयारियों की पीपीटी के जरिए जानकारी दी। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने घाटों पर सिल्ट सफाई, 200 मोबाइल टॉयलेट, 280 वाटर टैंकर, घाटों के लिए दो हजार डस्टबिन समेत 200 सफाई वॉलंटियर की आदि की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मार्गों और घाटों सहित पूरे शहर में समुचित सफाई रहे। उन्होंने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के मैदान में पड़े कूड़े को हटाने का निर्देश दिया।

रक्षामंत्री से गेस्टहाउस में मिले यूपी के मुख्यमंत्री योगी: वाराणसी दौरे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार देर शाम छावनी क्षेत्र स्थित वीरपुर

गेस्टहाउस में ठहरे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। कुछ देर रक्षामंत्री से बातचीत के बाद मुख्यमंत्री रात्रि विश्राम के लिए सर्किट हाउस के लिए रवाना हो गए।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों और वारदातों पर हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते बलात्कार और यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस, गृह मंत्रालय और एमसीडी को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह के भीतर विस्तृत सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट मांगी है। आपको बता दें कि दक्षिण दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में बंदूक की नोक पर पुलिसकर्मी बनकर 17 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। इससे पहले दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद उसकी निर्मम हत्या कर दी गई। इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा से दिल्ली आ रही एक चलती स्लीपर बस के भीतर एक और नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न किया गया। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, दिल्ली में सड़क, मेट्रो और बसों में

महिलाओं से छेड़खानी और यौन उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे महिलाएं डर के मारे अपने सफर का समय और मार्ग बदलने को मजबूर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केवल वारदात होने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करना पर्याप्त नहीं है; पुलिस का मुख्य काम अपराध होने से रोकना होना चाहिए। कोर्ट ने रात के समय महिलाओं की सुरक्षा, प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त रोशनी, सीसीटीवी निगरानी और पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। एनसीआरबी के हालिया डेटा के मुताबिक, देश के सभी महानगरों की तुलना में दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और बलात्कार के मामले सबसे अधिक दर्ज किए जा रहे हैं, जिसके कारण यह लगातार असुरक्षित शहरों की सूची में ऊपर बना हुआ है। हाल ही में दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर विभिन्न महिला संगठनों और कार्यकर्ताओं ने महिलाओं और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित यौन हिंसा एवं उत्पीड़न के मामलों में जवाबदेही और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किए हैंदेश की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के आस-पास के क्षेत्र जिसे एन.सी.आर. भी कहा जाता है, में महिलाओं की सुरक्षा



का मुद्दा उभर कर बार-बार सामने आ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस क्षेत्र में विगत दिवस नाबालिग लड़कियों और महिलाओं के साथ हुए अपराधों से संबंधित समाचारों का स्वयं ही गम्भीर संज्ञान लेते हुए कड़ी टिप्पणियां की थीं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी के आस-पास घटित होती ऐसी घटनाएं कानून लागू करने वाली एजेंसियों की विफलता को दर्शाती हैं।

एशियन पैरा गेम्स-2026 में भारत का गौरवशाली प्रदर्शन

सनातन संस्कृति में मनुष्य की महानता का आधार उसकी शारीरिक संरचना नहीं बल्कि उसके गुण, कर्म और आत्मबल को माना गया है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने संदेश दिया है कि- उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत अर्थात मनुष्य को अपने प्रयास और पुरुषार्थ से अपना उत्थान करना चाहिए और स्वयं को कभी भी निराशा में नहीं डूबने देना चाहिए।

भारतीय पैरा खिलाड़ियों का जीवन इसी शाश्वत संदेश का सजीव उदाहरण है, जहाँ चुनौतियाँ बाधा नहीं बल्कि अपनी क्षमता सिद्ध करने का अवसर बन जाती हैं। प्रकृति ने हर व्यक्ति को एक समान शारीरिक क्षमताएँ नहीं दी हैं। किसी के जीवन में जन्मजात शारीरिक चुनौतियाँ हैं, तो किसी को दुर्घटना या बीमारी के कारण कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद जब कोई व्यक्ति अपने भीतर के साहस को पहचानता है, निरंतर साधना करता है और अपनी कमजोरियों को अपनी शक्ति में बदलने का संकल्प लेता है, तो उसकी उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं रह जाती बल्कि वह समूचे समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा बन जाती है।

इसी प्रेरणादायी भावना को भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स-2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से वैश्विक पहचान दी है। भारत के पैरा खिलाड़ियों ने कुल 114 पदक जिसमें 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य जीतकर अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पदक तालिका में देश को शीर्ष चार में स्थान हासिल करने का गौरव दिलाया है। इन खिलाड़ियों ने दुनिया को बताया है कि दिव्यांगता किसी व्यक्ति की पहचान का संपूर्ण परिचय नहीं है और न ही उसकी संभावनाओं का अंतिम निर्धारण होता है। उनकी पहचान उनका परिश्रम, उनका अनुशासन, उनका साहस और अपने देश के लिए कुछ असाधारण कर गुजरने का उनका संकल्प है। वे केवल खेल के मैदान में प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती नहीं देते बल्कि समाज में व्याप्त उन धारणाओं को भी चुनौती देते हैं, जो किसी व्यक्ति की क्षमताओं का आकलन उसकी शारीरिक सीमाओं के आधार पर करती हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने दिव्यांगजनों के प्रति समाज की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने और उनके सामर्थ्य को नई पहचान दिलाने की दिशा में कई सार्थक प्रयास किए हैं। उन्होंने 'विकलांग' के स्थान पर 'दिव्यांग' शब्द का प्रयोग कर यह संदेश दिया कि किसी व्यक्ति की पहचान उसकी शारीरिक सीमाओं से नहीं बल्कि उसकी अंतर्निहित क्षमताओं, प्रतिभा और संकल्प से होनी

चाहिए। यह पहल केवल शब्द परिवर्तन नहीं बल्कि सम्मान, संवेदनशीलता और समावेशी सोच को प्रोत्साहित करने का एक सार्थक प्रयास रहा है। प्रधानमंत्री जी ने खेलों को राष्ट्रीय विकास और युवा सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बनाते हुए खिलाड़ियों



को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया है। उनके नेतृत्व में खेलो इंडिया और टारगेट ओलंपिक पोलियम योजना (ऒह्मङ्क) जैसी पहलों के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान, प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पैरा खिलाड़ियों के लिए भी समान अवसर, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएँ, उपयुक्त खेल उपकरण और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना खेल व्यवस्था को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। सरकार के प्रयासों, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन, परिवारों के सहयोग और खिलाड़ियों के अथक परिश्रम के समन्वय से भारतीय पैरा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत ने 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदकों के साथ कुल 114 पदक अपने नाम किए। यह प्रदर्शन भारतीय पैरा खेलों में बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और खिलाड़ियों के निरंतर प्रयासों का परिचयक है। इस उपलब्धि का सबसे उल्लेखनीय पहलू विभिन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रभावशाली प्रदर्शन रहा है। पैरा एथलेटिक्स ने भारत की पदक तालिका में सबसे बड़ा

योगदान दिया है। खिलाड़ियों ने दौड़, जंप, जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो और क्लब थ्रो जैसी स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। वहीं पैरा शूटिंग, पैरा आर्चरी, पैरा बैडमिंटन, पैरा पावरलिफ्टिंग और पैरा जूडो में भी भारतीय खिलाड़ियों ने देश को गौरवान्वित किया है। भारत के पदक अभियान की शुरुआत महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग स्था स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन के साथ हुई। जिसमें मोना अग्रवाल ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि अर्चवि लेखरा ने रजत पदक अपने नाम किया। एक ही स्पर्धा में पहले और दूसरे स्थान पर भारतीय खिलाड़ियों का कब्जा देश की बेटियों की प्रतिभा, एकाग्रता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रमाण है। निशानेबाजी ऐसा खेल है, जिसमें एकाग्रता, धैर्य, मानसिक संतुलन और तकनीकी दक्षता की निर्णायक भूमिका होती है। मोना अग्रवाल और अर्चवि लेखरा ने अपने प्रदर्शन से दिखाया कि दृढ़ संकल्प और अनुशासित अभ्यास के बल पर अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर उत्कृष्टता हासिल की जा सकती है। मोना अग्रवाल ने आगे भी अपनी सफलता का सिलसिला जारी रखते हुए 50 मीटर राइफल थ्रो पोजीशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। इस प्रकार उन्होंने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। उनकी उपलब्धि निरंतरता, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रेरक उदाहरण है। भारत की ऐतिहासिक सफलता में पैरा एथलेटिक्स का योगदान सबसे अधिक रहा है। इस स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 65 पदक जीते, जिनमें 22 स्वर्ण पदक शामिल थे। यह प्रदर्शन बताता है कि भारतीय पैरा एथलेटिक्स में प्रतिभा, प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा का स्तर लगातार आगे बढ़ रहा है। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में अपना खिताब बरकरार रखते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया और उनकी सफलता के साथ महेंद्र गुजर ने रजत और संदीप संजय सरगर ने कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रकार भारतीय खिलाड़ियों ने इस स्पर्धा में तीनों पदक अपने नाम कर ऐतिहासिक क्लीन स्वीप का रिकॉर्ड भी बनाया है। एक ही स्पर्धा में तीनों पदकों पर भारत का कब्जा खिलाड़ियों की व्यक्तिगत प्रतिभा के साथ-साथ भारतीय पैरा एथलेटिक्स की व्यापक क्षमता का प्रमाण है।

जब कठपुतली के धागों से समाज के सवाल बोलने लगेें

कुमार कृष्ण मंच पर हल्की-सी रोशनी पड़ती है। रंग-बिरंगे कपड़ों में सजी कठपुतलियां स्थिर खड़ी हैं। तभी धागे तनते हैं और उनके हाथ-पैर हिलने लगते हैं। कुछ क्षण पहले तक निर्जीव दिखने वाले पात्र अब बोलने लगते हैं। एक कठपुतली पेड़ बनकर पर्यावरण की चिंता करती है, दूसरी पानी की जरूरत बताती है और तीसरी बाल विवाह पर सवाल उठाती है। बच्चे पहले हंस्टे हैं, फिर कहानी में छिपे सवालों पर गंभीर हो जाते हैं। मनोरंजन कब सामाजिक संवाद में बदल गया, उन्हें पता भी नहीं चलता। मंच के पीछे खड़ा कलाकार इस बदलाव को देखता है। उसके लिए शायद यही सबसे बड़ा पुरस्कार है। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस पर मुजफ्फरपुर के मालीघाट के लोक कलाकार सुनील कुमार की यात्रा को याद करना इसलिए जरूरी है कि उन्होंने कठपुतली के पारंपरिक धागों में अपने समय के सवाल पिरोए हैं। उनकी कला केवल दर्शकों का मनोरंजन नहीं करती, बल्कि उन्हें सोचने, समझने और अपनी बात कहने के लिए प्रेरित करती है। कला की सार्थकता केवल उसकी सुंदरता या लोकप्रियता में नहीं, बल्कि जीवन से उसके जुड़ाव में भी होती है। कलाकार समाज की स्मृतियों, संघर्षों और आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति देता है। सुनील कुमार ने कठपुतली को इसी सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ा है। उनके कार्यक्रमों में हिंसा, बाल विवाह, बाल श्रम, नशा, पर्यावरण, जल संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक संवेदनशीलता और डिजिटल बैंकिंग जैसे विषय शामिल होते हैं। वे जानते हैं कि कठिन संदेश भी लोकभाषा, गीत, संगीत और कहानी के सहारे सहजता से लोगों तक पहुंच सकते हैं। सुनील कुमार की

कला-यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष बच्चों के साथ उनका संवाद है। उनका मानना ​​है कि पढ़ाई से दूर भागने वाले बच्चों को केवल किताबों और परीक्षाओं के दबाव से कक्षा तक नहीं लाया जा सकता। शिक्षा में रचनात्मकता, सहभागिता और संवाद की जगह बनानी होगी। कठपुतली बच्चों को इसी अवसर से जोड़ती है। जब कोई पात्र उनकी आंखों के सामने चलता, बोलता और संवाद करता है, तो बच्चा केवल दर्शक नहीं रहता। वह कहानी से जुड़ता है, सवाल पूछता है और कई बार स्वयं भी अपनी बात रखने लगता है। इसी सोच के साथ सुनील कुमार बच्चों और शिक्षकों को कठपुतली निर्माण तथा संचालन का प्रशिक्षण देते हैं। हुमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया, किलकारी, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, रामबाग, मुजफ्फरपुर सहित विभिन्न संस्थानों में उन्होंने प्रशिक्षण दिया है। शिवहर के तिरियानी, पूर्वी चंपारण के बंजरिया, पश्चिमी चंपारण के चनपटिया, सीतामढ़ी के थुम्मा और रुन्नीसैदपुर, पटना के विक्रम, मोतिहारी के छत्तीनी तथा भोजपुर के पीरोता तक उनकी प्रशिक्षण-यात्रा पहुंची है। इन प्रयासों में उनकी भूमिका केवल कलाकार की नहीं, बल्कि कला को साझा करने वाले प्रशिक्षक की भी है। वे बच्चों को तैयार कठपुतलियां दिखाकर ही नहीं लौटते, बल्कि उन्हें स्वयं कठपुतली बनाने और उसके माध्यम से अपनी बात कहने का अवसर देते हैं। यह तरीका बच्चों में रचनात्मकता विकसित करने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ा सकता है। कला जब कुछ लोगों की विशेषज्ञता तक सीमित न रहकर दूसरों के हाथों में पहुंचती है, तभी उसका सामाजिक विस्तार होता है।



जंक फूड का शौक बढ़ता जा रहा है

दूसरे इसका स्वाद जिसे बच्चे बेहद पसंद करने लगे हैं। वहीं अब एक नये अध्ययन में सामने आया है कि बच्चा खुशी और दुख की अवस्था में खाने के प्रति अगल-अलग तरीके से व्यवहार करता है। दुख की अवस्था में ना केवल जंक फूड की तरफ अधिक आकर्षित होता है बल्कि सामान्य से ज्यादा खाता भी है। दुख और अवसाद की अवस्था में लोग ज्यादा खाने लगते हैं, इसे इमोशनल ईटिंग कहा जाता है। इस दौरान अन्हेल्दी फूड के सेवन का ज्यादा मन करता है। नए शोध में खुलासा हुआ है कि इमोशनल ईटिंग से ना केवल बड़े बल्कि बच्चे भी प्रभावित होते हैं। स्वभाव पर चल रही एक रिसर्च ने इस बात की पुष्टि की है कि बच्चा खुशी और दुख की अवस्था में खाने के प्रति अगल-अलग तरीके

से व्यवहार करता है। दुख की अवस्था में ना केवल जंक फूड की तरफ अधिक आकर्षित होता है बल्कि सामान्य से ज्यादा खाता भी है। पहले के शोधों में सामने आया था कि जो लोग अवसाद की अवस्था से गुजर रहे हैं, वे अन्हेल्दी फूड खाते हैं जिससे मोटापे का शिकार हो जाते हैं। ज्यादा खाने की वजह से उनके अवसाद में बढ़ोत्तरी भी होती है और स्वास्थ्य भी खराब होता है। शोध के दौरान 4.5 साल से लेकर 9 साल तक के 91 बच्चों को शामिल किया गया। बच्चों को अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया और सबको अलग-अलग मूड के फिल्म सीन दिखाए गए। इसमें पाया गया कि भावुक कर देने वाले सीन के दौरान बच्चों ने ज्यादा चॉकलेट खाए।

अपनी बात



पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा—बीते दशकों में समय बदला है और नई चुनौतियां व बुराइयां सामने आई हैं । इन समस्याओं का समाधान करने की जिम्मेदारी हम सबकी है । मैं आह्वान करता हूँ- लोग समाज को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट हों । प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, ठीक उसी समय चिन्मय मिशन के भी 100 वर्ष पूरे होंगे ।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नदियों का मायका कहे जाने वाले मध्यप्रदेश में जल संसाधनों का बहुआयामी उपयोग किया जा रहा है । एक ही जल स्रोत से पीने का पानी, सिंचाई, पशुओं के लिए जल, मछली उत्पादन, जल पर्यटन और जलीय जीवों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है । नीति के अंतर्गत प्रदेश में 1 लाख नए केज कव्चर स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है ।

कलाकार हैं स्वप्नद्रष्टा और शांतिपूर्ण भविष्य के शिल्पी

कला एवं कलाकार मानव सभ्यता की आत्मा है। यह वह अनंत भाषा है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने अंतरतरंग की संवेदनाओं, अनुभूतियों, विचारों और स्वप्नों को रूप, रंग, ध्वनि, शब्द, लय और भावों में अभिव्यक्त करता है। जब आदिम मानव-कलाकारों ने गुफाओं की दीवारों पर अपनी अनुभूतियों को चित्रित किया होगा, जब किसी कलाकार ने पथर को तराशकर उसमें आकृति का सौंदर्य खोजा होगा अथवा किसी ने प्रकृति की ध्वनियों से प्रेरित होकर पहली बार सुरों को साधा होगा, तभी से कला ने मानव

जीवन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई होगी। कला की यात्रा वस्तुतः मानव चेतना के विकास, उसकी कल्पनाशीलता और उसकी संवेदनशीलता की यात्रा है। प्रत्येक वर्ष 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस इसी सृजनशील चेतना को सम्मान देने तथा समाज और सभ्यता के निर्माण में कलाकारों के योगदान को पहचानने का अवसर है। लेकिन इस दिवस की सार्थकता केवल कलाकारों का अभिनंदन करने, चित्रकला प्रदर्शनों का आयोजन करने, संगीत समारोहों में भाग लेने अथवा कलाकृतियों की प्रशंसा करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। आज जब विश्व युद्धों की आशंकाओं, आतंकवाद, हिंसा, धार्मिक एवं वैचारिक टकराव, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और महाशक्तियों के वर्चस्ववादी संघर्षों से घिरा हुआ है, तब कला और कलाकार की भूमिका पहले से कहीं अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य की तकनीकी प्रगति, आर्थिक समृद्धि और सैन्य शक्ति उसे अधिक शांतिप्रिय बना सकी है? यदि नहीं, तो निश्चित रूप से हमें उस मानवीय चेतना की ओर लौटना होगा, जो मनुष्य को केवल शक्तिशाली नहीं, बल्कि संवेदनशील, सहिष्णु और करुणाशील बनाती है। कला इसी चेतना का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। वर्तमान विश्व की विडंबना यह है कि एक ओर विज्ञान ने दूरियों को समाप्त कर दिया है, संचार के साधनों ने दुनिया को एक वैश्विक परिवार का स्वरूप दिया है और आर्थिक संबंधों ने राष्ट्यों को परस्पर निर्भर बनाया है; दूसरी ओर मनुष्यों के बीच अविश्वास, घृणा और संघर्ष की दीवारें भी उँची होती जा रही हैं। युद्धभूमियों में बिखरते परिवार, आतंकवाद की भेंट चढ़ते निर्दोष जीवन, विस्थापन की पीड़ा झेलते बच्चे और वर्चस्व की राजनीति में कुचले जाते छोटे राष्ट्र इस प्रश्न को सामने रखते हैं कि विकास का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या विकास केवल उँची इमारतों, आधुनिक हथियारों, विशाल बाजारों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक सीमित है, अथवा उसका वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुश्रुित, सुंदर, स्वतंत्र और आनंदमय बनाना भी है? कला और कलाकार इस प्रश्न का उत्तर मनुष्य के हृदय में खोजते हैं। वे याद दिलाते हैं कि सभ्यता की महानता विनाश की क्षमता से नहीं, बल्कि सृजन, संरक्षण और सह-अस्तित्व की योग्यता से मापी जानी चाहिए।

राजनीति और कूटनीति जहाँ कई बार हितों, सीमाओं और शक्ति-संतुलन के गणित में उलझ जाती हैं, वहीं कला और कलाकार मनुष्य के साझा दुख और साझा आनंद को सामने लाती है। एक चित्रकार युद्ध से उजड़े घर की तस्वीर बनाता है, तो उसमें किसी एक देश का नहीं, संपूर्ण मानवता का दर्द दिखाई देता है। एक संगीतकार जब करुणा से भरी धून छेड़ता है, तो उसकी भाषा समझने के लिए किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती। किसी कवि की पंक्तियों में व्यक्त प्रेम, किसी नर्तकी की भाव-भंगिमा में झलकती पीड़ा और किसी कृषि मूर्तिकार की रचना में उभरती मानवीय गरिमा भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर हृदयों को जोड़ती है। यही कला की वह शक्ति है, जो शत्रुता के बीच संवाद, निराशा के बीच आशा और विभाजन के बीच आत्मीयता के पुल बना सकती है। कला और युद्ध के बीच का अंतर भी गहरे चिंतन का विषय है। युद्ध की मानसिकता दूसरे को पराजित करने में अपनी विजय खोजती है, जबकि कला दूसरे के अनुभव को समझने की दृष्टि प्रदान करती है। युद्ध सीमाओं पर दीवारें खड़ी करता है, कला उन दीवारों के पार झाँकना सिखाती है। हथियार शरीर को घायल करते हैं, किंतु घृणा मनुष्य की आत्मा को भी आहत करती है; कला उस आत्मा के घावों को भरना का प्रयास करती है। जहाँ हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है, वहीं सच्चा कलात्मक सृजन सहानुभूति और आत्ममंथन की प्रेरणा देता है। इसका अर्थ यह नहीं कि कला अकेले युद्ध रोक सकती है अथवा कलाकारों की अभिव्यक्ति मात्र से आतंकवाद समाप्त हो जाएगा। युद्धों को रोकने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, न्यायपूर्ण नीतियाँ, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी संस्थाएँ आवश्यक हैं। लेकिन इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए ऐसी मानवीय चेतना चाहिए, जो हिंसा को गौरव और शांति को कमजोरी न समझे। कला इसी चेतना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में कला का संबंध केवल मनोरंजन से नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता से भी रहा है। यहाँ संगीत साधना है, नृत्य भावों की अभिव्यक्ति है, साहित्य लोकमंगल की चेतना है और लोककला समुदायों की स्मृति एवं पहचान का जीवंत दस्तावेज है। जैन दर्शन का अहिंसा और अनेकांत का संदेश भी हमें सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दृष्टियों की विविधता का सम्मान आवश्यक है। अनेकांत की भावना कला की प्रकृति से मेल खाती है, क्योंकि एक ही दृश्य, वटना अथवा अनुभूति को अलग-अलग कलाकार भिन्न दृष्टिकोणों से अभिव्यक्त कर सकते हैं।

प्रेरणा ईश्वर की कृपा बुद्धि से ही प्राप्त होती है

योग में आसन, प्राणायाम, मुद्रा और आहार-विहार आदि पर तो बहुत शोध हुए हैं, अब ध्यान और मुद्रा की बारी है। इस विधा के अनुसार शांत मस्तिष्क उर्जा का केंद्र है तो निर्मल मन शांति और स्थिरता का। शास्त्रों में इन केंद्रों की उपमा ब्रह्मलोक और क्षीर सागर से दी गई है। मस्तिष्क या खोपड़ी में जहां दिमाग माना जाता है वहां एक केंद्र की कल्पना की गई है। इस केंद्र को ब्रह्मकेंद्र कहते हैं। ब्रह्मरंध्र अर्थात् मस्तिष्क का मध्यबिन्दु। ब्रह्मांड के मध्य में ब्रह्मलोक माना गया है और ब्रह्मरंध्र मस्तिष्क में है। जीव और ब्रह्म के बीच अति महत्वपूर्ण आदान-प्रदान का माध्यम यही है। पृथ्वी भी मनुष्य की तरह अंतर्ग्राही आदान प्रदान से समृद्ध होती रहती है। उससे सूक्ष्म आवश्यकताओं की पूर्ति के साधन जुटते रहते हैं। इस आदान-प्रदान का केन्द्र द्वार ध्रुव है। ठीक इसी प्रकार मस्तिष्क का मध्य केन्द्र ब्रह्मरंध्र सहस्त्राकमल है। यह जितना सशक्त या दुर्बल होता है उसी अनुपात में जीवन को ब्रह्मसत्ता के अनुदान पाने की सम्भावना बढ़ती है। अन्तर्जगत के इस ब्रह्मलोक की अमृत वर्षा का लाभ लेने के लिए खेचरी मुद्रा का साधन बताया गया है । ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त का साधन बताया गया है। ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त से बैठकर जीव के अगले भाग को तालू मूर्ध्रा से लगाया जाता है। सहलाने जैसे मन्द-मन्द स्पन्दन पैदा किये जाते हैं।



संक्षिप्तवार्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निगम पार्षद सुमन शर्मा के पति को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली नगर निगम की पार्षद सुमन शर्मा के पति सुधीर रंजन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने उनके असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री ने शनिवार को एक्स पोस्ट में लिखा कि पार्षद सुमन शर्मा के पति सुधीर रंजन की श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि सुधीर रंजन का असमय निधन अत्यंत पीड़ादायक है। दुख की इस घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि आजादपुर वार्ड से पार्षद सुमन शर्मा के पति सुधीर रंजन का सात अक्टूबर को निधन हो गया था।

सरकारी विद्यालयों में दी गई सामान्य से छोटी किताबें : सौरभ

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री आशीष सूद किताबों को लेकर दिए गए बयान पर आप प्रदेश अध्यक्ष ने दोवार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह मान लिया है कि उनके द्वारा सरकारी स्कूलों में बाँटी जाने वाली पुस्तक महारा का साइज एनसीईआरटी की पुस्तकों से छोटा है। उन्होंने कहा कि जो किताब सरकार द्वार बांटी गई है, उनका कागज करीब 60 जीएसएम का है और प्रिंटिंग भी बेहद छटिया है। सौरभ ने कहा कि टेडर में साफ लिखा था कि यदि वर्क ऑर्डर के 45 दिनों के अंदर, किताबों की डिलीवरी नहीं हुई तो प्रति सप्ताह 5 फीसदी का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके साथ ही अगर देरी पंद्रह दिन से ज्यादा बढ़ जाती है तो कॉन्ट्रैक्टर को ब्लैकलिस्ट तक किया जा सकता है। ऐसे में शिक्षा विभाग में कुछ अधिकारी इन ठेकेदार को पूरी पेमेंट देने की फाइल चला रहे थे।

धरना-प्रदर्शन मामले में दो दिन की सुनवाई करेगी कमेटी

नई दिल्ली। जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित हिंसा की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित ‘हार्ड पावर्ड इंक्वायरी कमिटी’ (एचपीईसी) 29 और 30 अक्तूबर को दो दिनों की सुनवाई करेगी। इस दौरान समिति प्रभावित लोगों की बात सुनेगी और प्लेटेड गन के कथित इस्तेमाल तथा महिला प्रदर्शनकारियों के उत्पीड़न से जुड़े सबूत दर्ज करेगी। उन्होंने बताया कि समिति की कार्याव्ही सुबह 11 बजे से ‘शिक्षा सदन’, 17 राउज एवेन्यू इंस्टीट्यूशनल एरिया स्थित उसके कार्यालय में होगी। आम जनता और हिंसा से प्रभावित कोई भी व्यक्ति 29 और 30 अक्तूबर को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच वहां जाकर अपनी शिकायतें या पक्ष रख सकता है, या सबूत पेश कर सकता है। इसके लिए उनके पास वैध पहचान पत्र होना जरूरी है। अधिकारियों ने बताया कि समिति विशेष रूप से प्लेटेड गन के कथित इस्तेमाल, लश्कित हिंसा और महिला प्रदर्शनकारियों के उत्पीड़न की जांच करेगी। इस समिति के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज आर. सुभाष रेड्डी हैं।

खजुराहो के लिए चलेगी विशेष रेलगाड़ी

नई दिल्ली। यात्रियों की सुविधा के लिए हजरत निजामुद्दीन से खजुराहो के बीच विशेष रेलगाड़ी का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 01913 खजुराहो से प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शनिवार (18 नवंबर तक) को रात 10.15 बजे चलकर अगली सुबह 11 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01914 हजरत निजामुद्दीन से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और रविवार (19 नवंबर तक) को दोपहर 12.30 बजे चलकर तड़के 3.30 बजे खजुराहो पहुंचेगी।

सरदार पटेल पर आधारित नाटक का मंचन

नई दिल्ली। सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और भारत को एकजुट करने के उनके योगदान पर आधारित हिंदी नाटक सरदार : द आर्किटेक्ट ऑफ़ यूनाइटेड इंडिया का शनिवार को कमानी ऑडिटोरियम में मंचन किया गया। अभिनेता मनोज जोशी ने नाटक में सरदार पटेल की मुख्य भूमिका निभाई। यह प्रस्तुति देश की एकता और अखंडता के लिए पटेल के प्रयासों को दर्शाती है। इसमें स्वतंत्रता के बाद 565 से अधिक रियासतों के भारतीय संघ में विलय का ऐतिहासिक कार्य प्रमुखता से दिखाया गया। पटेल की सृजबूझ और दृढ़ संकल्प ने भारत को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। नीमट्टी एंटरटेनमेंट की इस प्रस्तुति की परिकल्पना धनराज नाथवानी ने की है। इसका निर्देशन वायरल रच्छ ने किया, पटकथा गीता माणिक ने लिखी। नाटक का उद्देश्य नई पीढ़ी को सरदार पटेल के योगदान और राष्ट्रीय एकता के महत्व से परिचित कराना है।

गार्गी कॉलेज ने जीता वॉलीबॉल खिताब

नई दिल्ली। 26वें वाईएमसीए आमंत्रण अंतरमहाविद्यालय महिला वॉलीबॉल टूर्नामेंट में गार्गी कॉलेज ने खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में गार्गी कॉलेज की टीम ने माता सुंदरी कॉलेज को सीधे तीन सेटों में 25-18, 25-16 और 25-20 से हराया। गीी कॉलेज की खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही बेहतर तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने पहला सेट 25-18 से जीतकर बहुत बनाई। दूसरे सेट में भी दबदबा कायम रखते हुए 25-16 से जीत दर्ज की। तीसरे सेट में माता सुंदरी कॉलेज की टीम ने वापसी की कोशिश की, लेकिन गार्गी कॉलेज की खिलाड़ियों ने संयम बनाए रखते हुए 25-20 से सेट जीत लिया। इस तरह गार्गी कॉलेज ने फाइनल मुकाबला 3-0 से जीतकर ट्राफी अपने नाम की। पूरे मुकाबले में टीम ने निरंतरता बनाए रखी और विरोधी टीम को वापसी का मौका नहीं दिया। वहीं, माता सुंदरी कॉलेज की खिलाड़ियों ने भी संघर्ष किया, लेकिन उन्हें उपविजेता स्थान से संतोष करना पड़ा।

प्रह्लादपुर में बेटियों को मिली साइकिलें

नई दिल्ली। प्रह्लादपुर राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय में शनिवार को विद्या वाहिनी योजना के तहत छात्राओं को साइकिलें दी गईं। समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने ये साइकिलें बांटीं। मंत्री ने कहा कि बेटियों की शिक्षा में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करना सरकार की प्राथमिकता है। आर्थिक या अन्य परेशानियों से किसी बेटी की पढ़ाई प्रभावित न हो। विद्या वाहिनी योजना का उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा देना। यह उन्हें आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने को प्रोत्साहित करेगी। कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार बेटियों की शिक्षा और महिला सशक्तीकरण के लिए काम कर रही है।

जेएनयू में एसटी की 15 सीटें कम होने का आरोप

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में पीएचडी दाखिले में अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए आरक्षित सीटों में कमी का आरोप लगा है। झारखंड ड्राइबल स्टूडेंट्स एसोसिएशन (जेटी-एसए) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की दाखिला विवरणिका में 15 सीटें कम होने का दावा किया है। संगठन के अनुसार, जेएनयू में पीएचडी की कुल 711 सीटों में से एसटी वर्ग के लिए 38 सीटें अधिव्युचित हैं। यह 7.5 फीसदी आरक्षण के हिसाब से अपेक्षित 53 सीटों से कम है। जेटीएसए ने इस सत्र में कई कार्यक्रमों में एसटी वर्ग के लिए शून्य सीट होने का दावा किया। पिछले चार दाखिला चरणों में भी यही स्थिति थी। जेटीएसए ने विश्वविद्यालय प्रशासन से सीटों की कमी दूर करने की मांग की है। संगठन ने आरक्षण रोस्टर की जांच और श्रेणीवार सीटों का ब्योरा सार्वजनिक करने को भी कहा है।

‘विद्या वाहिनी योजना’ से हर बेटी के सपनों को मिलेगी नई उड़ान : रविंद्र इंद्राज सिंह

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी	
नई दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि ‘विद्या वाहिनी योजना’ से शिक्षा का सफ़र आसान होगा और हर बेटी के सपनों को नई उड़ान मिलेगी। यह बात उन्होंने शनिवार को राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय प्रह्लादपुर में आयोजित वार्षिक खेल दिवस 2026 एवं ‘विद्या वाहिनी योजना’ के अंतर्गत साइकिल वितरण समारोह में कही। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम में निगम पार्षद अंजू अमन, मंडल अध्यक्ष निम्मी शर्मा, जिला उप शिक्षा निदेशक वेद प्रकाश सिंह, जोन-एक्स के उप शिक्षा निदेशक डॉ. भगवान दास, विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. अंजलि खत्री, सत्यवान, मुकेश चौधरी तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।वार्षिक	

होलोग्राम के जरिए स्वामी चिन्मयानंद से मिले पीएम मोदी, 33 साल पुरानी मुलाकात को किया याद

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी	
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन में एक अनोखा अनुभव साझा किया। यहां उन्होंने 33 साल पहले ब्रह्मलीन हो चुके आध्यात्मिक गुरु स्वामी चिन्मयानंद के	

होलोग्राफिक अवतार यानी होलोबॉट से बातचीत की। इस तकनीक के जरिए ऐसा लगा, मानो स्वामी चिन्मयानंद स्वयं प्रधानमंत्री के सामने मौजूद हों और उनसे बात कर रहे हों। इस दौरान पीएम मोदी ने 1993 में स्वामी जी से हुई अपनी मुलाकात को याद किया और उनसे अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए आशीर्वाद मांगा।

मुख्यमंत्री ने छठ घाटों के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी	
नई दिल्ली। छठ महापर्व के मद्देनजर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सिंगलपुर स्थित प्रमबाड़ी पुल के मुनक नहर क्षेत्र में चल रहे विकास, सौंदर्यीकरण और छठ घाटों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी गंदगी और अव्यवस्थाओं के लिए पहचाने जाने वाले मुनक नहर क्षेत्र को अब स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित स्वरूप दिया जा रहा है। दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि छठ महापर्व से पहले घाटों के निर्माण एवं संबंधित विकास कार्यों को पूरा कर लिया जाए,	

दिल्ली में पहली एमसीडी मिनी फुटबॉल लीग शुरू, 1200 खिलाड़ी लेंगे भाग

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी	
नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के इतिहास में पहली बार प्राथमिक विद्यालय स्तर पर एमसीडी मिनी फुटबॉल लीग 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को दिल्ली गेट स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में महापौर प्रवेश वाही ने इस लीग का औपचारिक शुभारंभ किया। एसआईटीडीएस के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में दिल्ली के निगम विद्यालयों की 120 से अधिक टीमों के 1200 से ज्यादा नन्हें खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में अंडर-9 और अंडर-11 आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगीं।महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि प्रणामनंदी नरेंद्र मोदी के ‘खेलो इंडिया’ विजन और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में इस पहल की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य बच्चों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के साथ उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है।उन्होंने लोगों से अपील की कि वे निगम विद्यालयों और अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं।महापौर ने कहा कि	



खेल दिवस के दौरान छात्राओं ने 100 मीटर दौड़, रस्साकशी सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ भाग लिया। ‘खेलकूद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, शारीरिक स्वास्थ्य, अनुशासन और टीम भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर सभी प्रतिभागी छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।‘विद्या वाहिनी योजना’ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि बेटियों की शिक्षा में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को

दूर करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। साइकिल मिलने से छात्राओं का विद्यालय आना-जाना अधिक सुगम होगा। इससे न केवल उनका समय बचेगा, बल्कि शिक्षा के प्रति उनका उत्साह भी बढ़ेगा। यह पहल बेटियों को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करेगी।मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि ‘शिक्षित बेटियाँ—सशक्त दिल्ली’ केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक ऐसे समाज के निर्माण का संकल्प है, जहां प्रत्येक बेटी को शिक्षा, समान अवसर और अपनी प्रतिभा को निखारने का पूरा अवसर मिले। शिक्षित बेटियां परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इसलिए बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण में निवेश करना दिल्ली के उज्ज्वल भविष्य

दिल्ली में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर शिकंजा, 10 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी	
--------------------------------	---------------

नई दिल्ली। शराब पीकर गाड़ी चलाने, रेड लाइट जंप करने और गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पश्चिमी दिल्ली में चलाए जा रहे अभियान के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के 10 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। वहीं, 556 मामलों में संबंधित चालकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए अदालत और परिवहन प्राधिकरणों को प्रस्ताव भेजे गए हैं। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना और मोटर वाहन अधिनियम के प्रभावों का पालन सुनिश्चित करना है। इसके तहत शराब पीकर गाड़ी चलाने, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने,

की नींव मजबूत करना है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली की डबल इंजन सरकार बेटियों के उज्ज्वल भविष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक या अन्य व्यावहारिक कठिनाइयां किसी भी बेटी की शिक्षा और उसके सपनों के आड़े न आएँ। मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि ‘विद्या वाहिनी योजना’ जैसी पहल छात्राओं को शिक्षा से जुड़े रहने, आत्मनिर्भर बनने और जीवन में नई ऊंचाइयों हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। दिल्ली सरकार बेटियों को सशक्त बनाने और उन्हें बेहतर भविष्य के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

दिल्ली में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर शिकंजा, 10 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित

बिना हेल्मेट दोपहिया वाहन चलाने और बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है।पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने के 112 मामलों में मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 के तहत अदालत को प्रस्ताव भेजे हैं। इनमें संबंधित चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने या उन्हें लाइसेंस रखने के लिए अयोग्य घोषित करने की मांग की गई है। इन मामलों में अदालत ने अब तक पांच लाइसेंस निलंबित करने के आदेश दिए हैं। अधिनियम की धारा 20(2) के तहत निर्धारित अपराधों में दोषी ठहराए जाने पर अदालत चालक को ड्राइविंग लाइसेंस रखने से अयोग्य घोषित कर सकती है।रेड लाइट जंप करने, गलत दिशा में वाहन चलाने और खतरनाक ड्राइविंग के मामलों में 374 प्रस्ताव चालान



वेब वार्ता न्यूज एजेंसी	
--------------------------------	---------------

नई दिल्ली। ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’ कार्यक्रम के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय की 56 सदस्यीय युवा संगम टीम को शनिवार को गांधी भवन से तमिलनाडु के लिए रवाना किया गया। दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया। 24 अक्टूबर से 2

नवंबर तक चलने वाले इस दौर में 50 विद्यार्थी और छह शिक्षक शामिल हैं। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्रालय के अधिकारी, गांधी भवन के निदेशक प्रो. के.पी. सिंह तथा संयुक्त निदेशक प्रो. हंसराज सुमन उपस्थित रहे। दल तमिलनाडु के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करेगा। इसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समझ और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना है।

प्रस्ताव भेजे गए हैं। संबंधित परिवहन अधिकारियों ने इनमें पांच ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए हैं। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 19 के तहत लाइसेंसिंग प्राधिकरण को किसी व्यक्ति को ड्राइविंग लाइसेंस रखने के लिए अयोग्य घोषित कर सकती है।लागू मामलों में धारा 20(3) के तहत भी कार्रवाई की मांग की जा रही है।बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों की पहचान के लिए ट्रैफिक पुलिस रेड लाइट उल्लंघन पहचान प्रणाली (आरएलवीडी) और ओवरसपीडिंग पहचान प्रणाली (ओएसवीडी) के रिकॉर्ड का भी इस्तेमाल कर रही है। इनमें बार-बार हेल्मेट संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाले चालक भी शामिल हैं।ऐसे 70 मामलों में दिल्ली और अन्य राज्यों के जिला एवं क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों को

दिल्ली में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर शिकंजा, 10 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित

व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि छठ महापर्व के अवसर पर घाटों के आसपास आकर्षक लाइटिंग और झालरों की व्यवस्था की जाए, जिससे पूरा क्षेत्र उत्सव के अनुरूप सुंदर दिखाई दे। उन्होंने अधिकारियों को घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों, सीढ़ियों, जल निकासी और अन्य बुनियादी सुविधाओं की भी जांच करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं।मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में कचरा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों और फुटपथों पर कचरा जमा होने, दुर्गंध फैलने या अव्यवस्थित कचरा संग्रहण की स्थिति किसी भी हालत में नहीं होनी चाहिए। कचरे के संग्रहण

और निस्तारण की ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे आसपास के निवासियों को असुविधा न हो और क्षेत्र की स्वच्छता बनी रहे। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि विकास कार्यों के साथ-साथ सफाई व्यवस्था को भी लाततार ध्यान दिया जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान और जनआस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस पावन पर्व पर सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसे में सरकार का दायित्व है कि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और पूजा स्थलों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छठ महापर्व से पहले सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए और तैयारियों में किसी प्रकार की कमी न रहने दी जाए।

एसकेएस वर्ल्ड स्कूल में बैज सेरेमनी और ‘बीट ब्लिट्ज 2.0’ की धूम, सतपुरा हाउस ने मारी बाजी

वेब वार्ता न्यूज एजेंसी	
--------------------------------	---------------

ग्रेटर नोएडा वेस्ट। एसकेएस वर्ल्ड स्कूल, एचएस-04 में शनिवार को बैज सेरेमनी एवं अंतर-सदनीय नृत्य प्रतियोगिता ‘बीट ब्लिट्ज 2.0’ का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय के जूनियर विंग (कक्षा 1 से 4) के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और नृत्य कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ‘बीट ब्लिट्ज 2.0’ अंतर-सदनीय नृत्य प्रतियोगिता रही, जिसमें विद्यालय के चारों सदनों—अरावली हाउस, शिवार्लिक हाउस, सतपुरा हाउस और नीलगिरि हाउस—के विद्यार्थियों ने अपनी मनोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता में सतपुरा हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नीलगिरि हाउस द्वितीय स्थान पर रहा। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया।इस अवसर पर आयोजित बैज सेरेमनी के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित किया



गया। कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुतियों के साथ रचनात्मक गतिविधियों और मनोरंजक कार्यक्रमों ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया।विद्यालय का यह आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास और टीम भावना को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा। इसने बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और

मंच पर अपनी क्षमताओं को निखारने का अवसर प्रदान किया।कार्यक्रम में अभिभावकों की उपस्थिति और ध्यान आकर्षित किया।विद्यालय का यह आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास और टीम भावना को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा। इसने बच्चों को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

हर बूथ के समीकरणों का विश्लेषण कर तैयार करें चुनावी रणनीति: विनोद तावड़े

सामूहिक विवाह योजना

में आए 1.16 लाख से अधिक आवेदन

लखनऊ। यूपी में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटीयों के विवाह के लिए सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आई है। वित्तीय वर्ष 2026–27 में योजना के तहत प्रदेशभर से 1,16,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। योगी सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में 72,540 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें 28,833 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जा चुका है। समाज कल्याण विभाग के निदेशक संजीव सिंह ने बताया कि, वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्राप्त कुल 1,16,668 आवेदनों में से 34,845 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि जांच के दौरान 11,679 आवेदन अपात्र पाए गए हैं। शेष आवेदनों की स्थिति स्पष्ट होने पर योजना के तहत आवेदन से स्वीकृति तक की प्रक्रिया की तस्वीर और साफ होगी। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को विवाह के खर्च में राहत देना और बेटीयों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराने में सहयोग करना है।

दिव्यांग बच्चों के लिए 28 नए बचपन डे केयर सेंटर को मंजूरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांग बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें विद्यालयी शिक्षा के लिए तैयार करने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश में 3 से 7 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों के लिए बचपन डे केयर सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों की सीखने की क्षमता विकसित करने, उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप शैक्षिक सहयोग उपलब्ध कराने और उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में वर्तमान में 25 बचपन डे केयर सेंटर संचालित हैं, जिनकी कुल क्षमता 1,490 बच्चों की है। इनमें 1,463 बच्चे नामांकित हैं। इस प्रकार केंद्रों की कुल क्षमता के सापेक्ष लगभग ७8 प्रतिशत नामांकन दर्ज किया गया है। योजना के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026–27 में अग्रणी जनपदों में 28 नए बचपन डे केयर सेंटरों की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है। इससे अधिक दिव्यांग बच्चों तक प्रारंभिक शिक्षा और आवश्यक सहयोग की सुविधाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी।

होमगार्ड भर्ती के अभ्यर्थी 23 तक देख

सकेगें अंतिम अंक लखनऊ। उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती 2025 में शामिल अभ्यर्थियों के अंतिम अंक प्राप्त करने का लिंक बोर्ड की वेबसाइट पर शनिवार को अपलोड कर दिया गया है, जो 23 नवंबर 2026 तक उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी अपना अपना अंतिम (अंक) स्कोर देख सकेंगे। बोर्ड ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स के पदों पर पुनरीलमेंट 2025 में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थियों के अन्तिम अंक प्राप्त करने का लिंक बोर्ड की वेबसाइट पर 24 अक्टूबर से 23 नवंबर तक उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी अपना अन्तिम अंक देखने के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर लिंक के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन संख्या एवं जन्मतिथि अंकित कर पोर्टल पर लॉगिन कर सकेंगे। पोर्टल पर लॉगिन करने के बाद 'क्लिक हेयर फॉर फाइलड स्कोर' के टैब पर क्लिक कर पंजीकृत ई-मेल आईडी पर अन्तिम अंक प्राप्त किया जा सकेगा।

पीईटी परीक्षा को नकल–विहीन कराने के लिए पुलिस सतर्क
हरदोई। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 को निष्पक्ष, नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी अखिलेश सिंह ने पुलिस लाइन सभागार में ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ब्रीफिंग कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनपद में 25 व 30 अक्टूबर तथा एक नवंबर को आयोजित होने वाली परीक्षा के दौरान शुचितता बनाए रखने, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने और परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए गए।

हृदय रोगों की रोकथाम पर प्रदेश भर के विशेषज्ञों ने किया मंथन

कानपुर। परिवार में अगर किसी को हृदय रोग कि बीमारी रही होगी तो उसकी आने वाली पीढ़ी भी जेनेटिक रूप से इस बीमारी का शिकार हो सकती है। जौन में हो हृदय रोग की बीमारी का रहस्य छुपा हुआ है। अगर समय रहते (लियोप्रोटीन ए) एलपीए की जांच करा ले तो हार्ट अटैक होने की संभावना औी कब हार्ट अटैक पड सकता है इसकी जानकारी मिलने में आसानी हो सकती है। हार्ट को कैसे

वेब वार्ता न्यूज़ एजेंसी

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े शनिवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने श्रीरामलला के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। एयरपोर्ट पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, अभय सिंह जिला पंचायत प्रशासक रौली सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद पार्टी पदाधिकारियों के साथ विभिन्न संगठनात्मक बैठकों कर आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। प्रदेश प्रभारी ने



अवध क्षेत्र के सभी 15 सांठटनिक जिलों के जिलाध्यक्षों एवं जिला प्रभारियों के साथ बैठक की। इसके अलावा क्षेत्रीय कार्यसमिति तथा अवध क्षेत्र में जीत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए संपर्क, समन्वय और

प्रधानमंत्री मोदी आज काशी में मुख्यमंत्री ने परखीं तैयारियां



जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार तथा पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिला प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन की तैयारियों से अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने शनिवार को नमो घाट का स्थलीय निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने एयर शो की तैयारियों का जायजा लेते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने घाटों पर सिल्ट सफाई, 200 मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था, 280 वाटर टैंकर, दो हजार डस्टबिन घाट एवं

अन्य रूटों पर रखने समेत 200

सफाई वॉलंटियर की मौजूदगी समेत

व्यवस्था में लगे सफाई कर्मचारियों के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने पूरे शहर में साफ-सफाई के साथ संपूर्णांदर संस्कृत विश्वविद्यालय में पड़े कूड़े को हटाने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टायम मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ दयाशंकर मिश्र ‘दयालु’, एमएसएमई राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, महापौर अशोक

प्रमुख प्रतीकों में शामिल थे।

वक्ताओं ने उनके जीवन और योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय

एकता और सामाजिक सद्भाव के महत्व पर भी चर्चा की।

रफी अहमद किदवाई के योगदान का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में प्रमुख प्रतीकों में शामिल थे। वक्ताओं ने उनके जीवन और योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव के महत्व पर भी चर्चा की। रफी अहमद किदवाई के योगदान का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में

वेब वार्ता न्यूज़ एजेंसी

लखनऊ। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए शनिवार को विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान चलाने के लिए 1.77 लाख बूथों पर विशेष कैंप लगाए गए। बीएलओ ने यहां लोगों को नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 बांटे और भरे हुए फॉर्म जमा किए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा सहित अन्य अधिकारियों ने कई बूथों का औचक निरीक्षण कर रिपोर्ट ली।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के

वेब वार्ता न्यूज़ एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार दीपोत्सव–2026 में अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक वैभव और बदलते स्वरूप को रंगों व रचनात्मकता के जरिए दुनिया के सामने लाने की तैयारी कर रही है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से चित्रकला और रील मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनके माध्यम से देशभर के कला प्रेमी और रचनात्मक प्रतिभा रमानगरी की परंपराओं, प्रमुख स्थलों, विकास कार्यों और दीपोत्सव की भव्यता को अपने अंदाज में प्रस्तुत कर सकेंगे। दोनों प्रतियोगिताओं में सभी आयु वर्ग के लोग हिस्सा ले सकते हैं। प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि दो नवंबर

- भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने अवध क्षेत्र के जिलाध्यक्षों व जिला प्रभारियों के साथ की बैठक, क्षेत्रीय समिति के साथ किया मंथन**

संवाद का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी टीम बनाकर प्रत्येक बूथ के संगठनात्मक, सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य का विश्लेषण करें। इसके आधार पर स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप चुनावी रणनीति तैयार की जाए। उन्होंने जिला स्तर के पदाधिकारियों को मंडल एवं शक्ति केंद्र के पदाधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही

बूथों पर होने वाली संगठनात्मक गतिविधियों की नियमित समीक्षा करने और उन्हें प्रभावी बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि सामाजिक सहभागिता बढ़ाते हुए लोगों की बात सुनें तथा बूथ स्तर की बैठकों में संबोधित क्षेत्र के प्रभावशाली एवं सामाजिक से से सक्रिय लोगों को भी आमंत्रित करें। सामाजिक समरता व सेवाकार्यों में पार्टी नेताओं की सहभागिता हो।

बैठक में अयोध्या महानगर, अयोध्या जिला, लखनऊ जिला, लखनऊ महानगर, अबेडकरनगर, बाराबंकी, रायबरेली, उन्नाव, गोंडा, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, हरदोई, सीतापुर और लखीमपुर खीरी

2027 में कांग्रेस-इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी: आराधना मिश्रा

वेब वार्ता न्यूज़ एजेंसी

लखनऊ/प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नवनि्युक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं रामपुर खास की विधायक आराधना मिश्रा ‘मोना’ के गृह जनपद प्रतापगढ़ पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। लखनऊ से प्रतापगढ़ तक रायबरेली, बछरावां, हरचंदपुर, सलोन और लालगंज सहित विभिन्न स्थानों पर मोटरसाइकिल रैलियों, कार जुलूसों, पुष्पवाजी और माल्यार्पण के जरिए उनका अभिनंदन किया गया। स्वागत कार्यक्रमों में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों का भागीदारी रही। राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी के प्रति भी कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखा।

लालगंज के ऐतिहासिक इंदिरा चौक पर जनसभा को संबोधित करते हुए आराधना मिश्रा ‘मोना’ ने कहा कि प्रतापगढ़, विशेषकर रामपुर खास से उनका संबंध राजनीतिक नहीं, बल्कि आत्मीय है। उनके परिवार ने क्षेत्र के विकास और जनता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि वह अंतिम सांस तक जनता के सम्मान और क्षेत्र के विकास के लिए काम करती रहेंगी। उन्होंने

तिवारी, सदस्य विधान परिषद राय धर्मेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, विधायक डॉ अवधेश सिंह, विधायक त्रिभुवन राम, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधायक डॉ सुनील पटेल, जिलाध्यक्ष रामसन्तल पटेल, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, एडीजी जोन नवीन अरोड़ा, डीएम सत्येंद्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त शिवहरी मीणा, डीआईजी वैभव कृष्ण, विकास

प्राधिकरण उपाध्यक्ष पूर्ण बोर्रा, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, सीडीओ प्रखर कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

पॉलिटेिनक चौराहे पर प्रतिमा की सफाई के बाद माल्यार्पण
लखनऊ। शहर के पॉलिटेिनक चौराहे पर स्थापित पूर्व केंद्रीय मंत्री रफी अहमद किदवाई की प्रतिमा की सफाई कराई गई। इसके बाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष एवं पार्षद मुकेश सिंह चौहान, आवेरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष कैप्टन बंशीधर मिश्रा और पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी विनोद रावत मौजूद रहे। इनके साथ इंददेव शुक्ला, अनिल शुक्ला, मोहम्मद सईद, शहनदाद अली, शोएब अहमद और रंजीत वाम्नीकि सहित शहर कांग्रेस कमेटी दक्षिणी के पदाधिकारियों ने भी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने रफी अहमद किदवाई के स्वतंत्रता आंदोलन और सार्वजनिक जीवन में योगदान को याद किया।

एसएफए चर्चिल, शशांक त्रिपाठी अंशु, वसीरुल्ला आदि, सलमान कादिर, अनीस अख्तर मोदी, आरबी सिंह एडवोकेट, सुनीता रावत, तनवीर

फातिमा, आसिम मुन्ना, शहनवाज खान, अख्तर मलिक, शोएब खान, नदीम अहमद और मसूद अहमद सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

भाजपा लखनऊ महानगर ने सभी 2505 बूथों पर चलाया अभियान
लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए गए विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर ने महानगर के सभी 2505 बूथों पर वृहद स्तर पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान बूथ अध्यक्षों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में पहुंचकर पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, नाम एवं अन्य विवरणों में संशोधन करने तथा पत्रा परितर्जन जैसी प्रक्रियाओं की जानकारी दी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर और क्षेत्रवार संपर्क कर लोगों को मतदाता पुनरीक्षण के महत्व से अवगत कराया। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के विशेष अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पार्टी कार्यकर्ताओं ने सभी 2505 बूथों पर सक्रिय सहभागिता की।

जिला निर्वाचन अधिकारियों व निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने औचक निरीक्षण कर मतदाताओं से बातचीत की।

ने औचक निरीक्षण कर मतदाताओं से बातचीत की।

ने औचक निरीक्षण कर मतदाताओं से बातचीत की।

- चित्रकला और रील मेकिंग प्रतियोगिताओं में देशभर के लोग दिखा सकेगे हुनर**
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में दीपोत्सव में विजेताओं का होगा सम्मान**

रचनात्मकता के माध्यम से रामनगरी की सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा जन-जन तक पहुंचे तथा वैश्विक पटल पर इसकी पहचान और अधिक सुदृढ़ हो। पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मांध कथं विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि दीपोत्सव-2026 के माध्यम से हमारा प्रयास अयोध्या की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक महत्ता और विकास की नई गाथा को रचनात्मक अभिव्यक्ति के जरिए देश-दुनिया तक पहुंचाना है।

के जिलाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी शामिल हुए। क्षेत्रीय समिति की बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और सामाजिक एवं सेवा कार्यों को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। कहा कि सभी क्षेत्रीय पदाधिकारी जिलों में आयोजित होने वाले पार्टी के कार्यक्रमों की नियमित मॉनीटरिंग करें और उनकी प्रगति की समीक्षा करते रहें। पदाधिकारियों से जिला इकाइयों के साथ निरंतर संपर्क और संवाद बनाए रखने को कहा गया, ताकि संगठनात्मक कार्यक्रमों का बेहतर समन्वय सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का सज्ञान लेकर उनके समाधान के लिए भी आवश्यक

पहल करने पर बल दिया गया। बैठक में सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही गई।

बैठकों में प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल, अभिजात मिश्रा, उषेंद्र रावत, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियंका रावत, अर्चना मिश्रा, नीरज सिंह, अवधेश श्रीवास्तव , राहुल वाल्मीकि, संतोष सिंह, कमलेश मिश्रा एवं त्वंक तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान अयोध्या जिला प्रभारी एवं एमएलसी अनूप गुप्ता, महानगर प्रभारी शिवभूषण सिंह, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव और जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

2027 में कांग्रेस-इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी: आराधना मिश्रा



- प्रतापगढ़ में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का हुआ जोरदार स्वागत, रामपुर खास में उमड़े समर्थक**
- लालगंज की जनसभा में बोलीं जनता के सम्मान और क्षेत्र के विकास के लिए आजीवन समर्पित रहूंगी**

दावा किया कि 2027 में उत्तर प्रेशर में कांग्रेस और ईंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तथा मिलकर नफरत मिटाने का प्रयास किया जाएगा। राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि 1980 में इंदिरा गांधी ने इसी चौक पर जनसभा कर उन्हें जनता की सेवा का दायित्व सौंपा था। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और

रायबरेली से प्रतापगढ़ तक स्वागत

प्रतापगढ़ रवाना होने से पहले आराधना मिश्रा ने चुरुवा स्थित पिपलेश्वर हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद बछरावां, हरचंदपुर, टांडा, रायबरेली शहर, त्रिपुरा, सासरा चैराहा, मामा चैराहा, भदोखर, गणेशगंज और सलोन में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कई स्थानों पर मोटरसाइकिल रैलियां निकाली गईं। नूरुद्दीन टोल प्लाजा पर आयोजकों के अनुचार करीब तीन हजार समर्थक जुटे। कार्यक्रमों में कांग्रेस के स्थानीय पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रियंका गांधी ने आराधना मिश्रा को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर रामपुर खास की जनता के कांग्रेस के प्रति समर्पण को सम्मान दिया है।

बागी विधायकों को खुद ही सबक सिखाएंगी सपा

वेब वार्ता न्यूज़ एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सपा व कांग्रेस गठबंधन में सीटों को लेकर उलझनें अब और बढ़ती दिख रही है। कांग्रेस जितनी सीट मांग रही है, सपा उसकी एक तिहाई ही देने के मूड़ में है। राष्ट्रीय राजनीति में अपनी उभरती ताकत का असर यूपी में होने का दावा करते हुए कांग्रेस ने सीटों की डिमांड बढ़ाई है। खास बात यह कि सपा की जीती सीटों में एक दर्जन पर कांग्रेस ने दावा ठोका है। इसमें सपा के बागी विधायकों वाली सीटें भी हैं।

इस सवाल पर कि क्या गठबंधन पनपते अविश्वास व परस्पर विरोधाभासी बयानबाजी से हिचकोले खाने लगा है। इसका जवाब सपा के वरिष्ठ नेता ने यह कहते हुए दिया कि

चाय उतनी गर्म नहीं है जितनी केतली गर्म लग रही है। अमेठी व रायबरेली संसदीय सीटें कांग्रेस की बरसों से गढ़ रही हैं। विधानसभा चुनाव में सपा की स्थिति मजबूत रही है और वह भाजपा को चुनौती देती है। लेकिन कांग्रेस ने इन दोनों जिलों की 10 विधानसभा सीटें मांगी हैं।

अमेठी में पिछले चुनाव सपा ने तीन और भाजपा ने दो सीटें जीती थीं। रायबरेली की पांच में चार सपा के पाले में आएँ और एक भाजपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

में एक सपा के पाले

रेलवे ट्रैक पर फंसी दिव्यांग की व्हीलचेयर, मालगाड़ी से भिड़ी, मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य से एक अत्यंत दुखद घटना सामने आई है, जहां एक दिव्यांग बुजुर्ग ने रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय अपनी जान गंवा दी। प्युअल्लुप शहर में स्थित नॉर्थ मेरिडियन रेलवे स्टेशन के पास 59 वर्षीय रिचर्ड गीगर अपनी इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर से रेलवे पटरियों को पार कर रहे थे। इसी दौरान उनकी व्हीलचेयर अचानक पटरियों के बीच बुरी तरह फंस गई। उसी समय सामने से आ रही तेज रफ्तार मालगाड़ी की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ठीक उसी वक बर्लिंगटन नॉर्दर्न सांता फे कंपनी की एक मालगाड़ी तेजी से उनकी तरफ आ रही थी। बुजुर्ग को ट्रैक पर फंसा देख वहां मौजूद दो राहगीरों ने अदम्य साहस दिखाते हुए उन्हें बचाने की कोशिश की। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना फंसी हुई व्हीलचेयर को पटरियों से बाहर खींचने का भरपूर प्रयास किया। हालांकि, मालगाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि मदद के लिए पहुंचे लोग रिचर्ड गीगर को सुरक्षित दूरी पर ले जाने में नाकाम रहे।

वेस्ट बैंक में इजरायली चेक पोस्ट पर फायरिंग, एक सैनिक की मौत

हेब्रोन। वेस्ट बैंक के हेब्रोन शहर के पास एक सैन्य चेकपोस्ट पर हुए भीषण हमले ने पूरे मध्य पूर्व में एक बार फिर तनाव बढ़ा दिया है। आम नागरिकों के वेश में आए दो हथियारबंद हमलावरों ने सुरक्षा बलों और आम लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 23 वर्षीय एक इजरायली सैनिक शहीद हो गया और चार नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद सुरक्षाबलों ने त्वरित जवाबी कार्रवाई करते हुए दोनों हमलावरों को वहीं मार गिराया। इस घातक घटना के तुरंत बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेन्तन्याहू ने एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक बुलाई। बैठक में उन्होंने पूरे हेब्रोन शहर की घेराबंदी करने के साथ-साथ पूरे वेस्ट बैंक क्षेत्र में सख्त लॉकडाउन की तैयारी के निर्देश दिए हैं। इजरायली सरकार के भीतर से अब बेहद कड़े कदम उठाने की मांग उठने लगी है।

ग्वादर में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने से बढ़ा तनाव

ग्वादर। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर शहर में सशस्त्र बलूच विद्रोहियों और सुरक्षा बलों के बीच हमलों और मुठभेड़ की खबर सामने आई है। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने ऑपरेशन अलमास के तहत कई सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को निशाना बनाने का दावा किया है। हालांकि, संगठन के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने दूसरी ओर दावा किया है कि सुरक्षा बलों ने हमले की कोशिश नाकाम कर दी और जवाबी कार्रवाई में तीन हमलावर मारे गए। बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वाहराम बलोच के बयान के मुताबिक, विद्रोहियों ने ग्वादर ज़ीरो पॉइंट स्थित फटियर वक्स ऑर्गनाइजेशन (एफडब्ल्यूओ) के कैंप पर हमला कर उस पर नियंत्रण हासिल कर लिया। एफडब्ल्यूओ पाकिस्तानी सेना से जुड़ा सैन्य इंजीनियरिंग संगठन है।

आह्वान

ट्रंप ने ईरान के बाद क्यूबा पर ध्यान देने की कही बात तो रुबियो ने बदलाव का आह्वान किया

क्यूबा ने अमेरिका की बदलाव की अपील को दृथपेस्ट बेचने जैसा बताया

हवाना ने कहा- अमेरिकी कदम को हताशा जाहिर कर रहे

एजेंसी ■ हवाना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के क्यूबा को लेकर दिए गए बयान और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की अपील के बाद दोनों देशों के बीच जुगुनी टकराव तेज हो गया है। रुबियो ने क्यूबा के लोगों से देश में बदलाव लाने का आह्वान किया, जबकि क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने अमेरिकी कदम पर तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है, जैसे अमेरिका



इजरायल ने गोलीबारी मामले में कार्रवाई करते हुए एक फिलिस्तीनी के घर को ध्वस्त कर दिया।

फ्रांस में महंगाई के खिलाफ फिर प्रदर्शन, पेरिस समेत कई शहरों में सुरक्षा कड़ी

हिंसा रोकने के लिए 70 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात, लूट सहित प्रमुख संग्रहालय बंद

एजेंसी ■ पेरिस

फ्रांस में महंगाई, बढ़ते जीवनयापन खर्च और सरकारी बजट में कटौती के खिलाफ शनिवार को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए देशभर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटनाओं को रोकने के लिए करीब 70 हजार पुलिसकर्मियों और जेंडरमेरी जवानों को तैनात किया गया है। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में विशेष पुलिस इकाइयों, बख्तरबंद वाहनों, पानी की बौछर करने वाले वाहनों, हेलीकॉप्टरों और ड्रोन से निगरानी की व्यवस्था की है।

फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने शुक्रवार को वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक के बाद कहा कि सुरक्षा बल किसी भी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर कट्टर वामपंथी समूहों की ओर से हिंसा के लिए उकसाए जाने का दावा भी किया। उनके मुताबिक, आतंकवाद विरोधी और बंधकों को छुड़ाने जैसे



विशेष अभियानों में इस्तेमाल होने वाली इकाइयों को भी तैनात किया जाएगा।

पिछले सप्ताह हुई थी तोड़फोड़ और आगजनी

पिछले शनिवार को महंगाई के खिलाफ प्रदर्शनों में पांच लाख से अधिक लोगों के शामिल होने का दावा किया गया था। शुरुआत में शांतिपूर्ण रहे प्रदर्शनों के दौरान कुछ

समूहों ने तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की। पेरिस, मार्सिले और लियोन समेत कई शहरों में हिंसा हुई। लिमोज में सिटी हॉल में आग लगा दी गई, जिससे इमारत को आंशिक नुकसान पहुंचा। प्रदर्शनों के दौरान 2,700 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी की जानकारी दी गई है। पिछले सप्ताह हुई हिंसा के बाद सरकार ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नियंत्रण को लेकर भी

चिंता जताई थी। ताजा प्रदर्शनों के महेनजर करीब 10 हजार अतिरिक्त पुलिसकर्मियों, 20 बख्तरबंद वाहनों और पानी की बौछर करने वाले 15 वाहनों की तैनाती की जानकारी दी गई है।

अन्य यूरोपीय देशों में भी प्रदर्शन की तैयारी

महंगाई, आवास की बढ़ती लागत, सार्वजनिक सेवाओं में गिरावट और सरकारी खर्च में कटौती के मुद्दों पर यूरोप के कई अन्य देशों में भी प्रदर्शन प्रस्तावित हैं। इटली के मिलान, रोम और ट्यूरिन, ऑस्ट्रिया के वियना, स्पेन के मैड्रिड और बार्सिलोना, पुर्तगाल के लिस्बन और पोर्टो, आयरलैंड के डबलिन तथा अल्बानिया के तिराना में प्रदर्शन की योजनाएं हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सरकार के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ महंगाई और सार्वजनिक सेवाओं को लेकर लोगों की नाराजगी दूर करने की चुनौती है। आगामी राष्ट्रपति चुनावों

तिब्बत में दूसरी बार कांपी धरती, 4.5 की तीव्रता से फिर सहमे लोग

ल्हासा। पहाड़ों की गोद में बसे तिब्बत में एक बार फिर धरती के कांपने से स्थानीय लोग सहम गए हैं। शनिवार की सुबह रिक्टर पैमाने पर 4.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसके बाद कड़कड़ाती ठंड में कई लोग घरों से बाहर निकल आए। यह पिछले कुछ दिनों में आया दूसरा भूकंप है, जिसने इस भूकंपीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र के निवासियों की चिंता बढ़ा दी है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, यह भूकंप शनिवार सुबह करीब 5 बजकर 38 मिनट पर भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार आया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, भूकंप के केंद्र की गहराई और इसके कारण हुए संभावित नुकसान के संबंध में फिलहाल विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है। हालांकि, तत्काल किसी तरह के जानमाल के नुकसान या लोगों के घायल होने की कोई सूचना नहीं मिली है, जिससे कुछ राहत मिली है।



जर्मनी में इंगल्स नेस्ट में लगी आग के बाद उड़ता हुआ धूआं। ये केहलिसटिनहोस का मामला है।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर 1.56 करोड़ की विदेशी करेंसी जब्त

मलेशिया जा रहे यात्रियों के ट्रॉली बैग से मिले अमेरिकी डॉलर और रिंगिट

एजेंसी ■ हैदराबाद

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब 1.56 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी करेंसी जब्त की है। इस मामले में एक पुरुष और एक महिला यात्री को गिरफ्तार किया गया है। दोनों 22 अक्टूबर को हैदराबाद से मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर जाने वाली उड़ान से यात्रा करने वाले थे। डीआरआई की हैदराबाद जोनल यूनिट ने खुफिया

खेरसोन क्षेत्र में स्थित ओलेशकी युद्ध के कारण गंभीर संकट से गुजर रहा है। उपलब्ध विवरण के मुताबिक, युद्ध से पहले लगभग 24 हजार की आबादी वाले इस शहर में अब करीब 1,700 से 2,000 लोग ही रह गए हैं। इनमें बुजुर्गों और बच्चों की संख्या भी शामिल है। लगातार गोलाबारी, बिजली संकट और बारूदी सुरंगों के खतरे ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रस्तावित युद्धविराम के तहत नागरिकों तक भोजन, साफ पानी और जरूरी दवाइयां पहुंचाने की योजना बताई गई है। जो लोग शहर छोड़ना चाहते हैं, उन्हें सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराने की बात कही गई है। नागरिक अपनी इच्छा से रुख या यूक्रेन के सुरक्षित इलाकों में जा सकेंगे। राहत अभियान से पहले रास्तों से बारूदी सुरंगें हटाना भी अहम चुनौती होगी। यदि यह समस्या बनी रहती है, तो ओलेशकी के नागरिकों को तत्काल राहत मिल सकती है।

हृतियों के खिलाफ सैन्य संघर्ष में शामिल होने से तुर्की का इंकार

सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के बावजूद रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया रुख

एजेंसी ■ अंकारा

तुर्की ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ किसी सैन्य संघर्ष में शामिल होने से इनकार किया है। तुर्की के रक्षा मंत्री याशर गुलेर ने कहा है कि उनका देश हूतियों के साथ किसी तरह के संघर्ष में उतरने पर विचार नहीं कर रहा है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब तुर्की ने सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ मक्का संयुक्त रक्षा समझौता किया है।

एक साक्षात्कार के दौरान याशर गुलेर ने कहा, हम हूतियों के साथ किसी भी तरह के संघर्ष में शामिल होने पर विचार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सऊदी अरब को तुर्की की ओर से दी जाने वाली संभावित

सैन्य सहायता का मुख्य उद्देश्य उसकी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना होगा। तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच अगस्त में मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इस सप्ताह समझौते को मंजूरी के लिए तुर्की की संसद में पेश किया गया। समझौते के प्रावधानों के अनुसार, तीनों देशों में से किसी एक पर हमला होने की स्थिति को तीनों देशों पर हमला माना जाएगा।

हालांकि, रक्षा मंत्री के बयान से संकेत मिलता है कि समझौते के बावजूद तुर्की हूती विद्रोहियों के खिलाफ सीधे सैन्य संघर्ष में शामिल होने से दूरी बनाए रखना चाहता है। सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमलों के बीच तुर्की ने संभावित सैन्य सहयोग को प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तक सीमित रखने की बात कही है।

ओलेशकी में 29 अक्टूबर से सीजफायर होने का किया दावा

रूस-यूक्रेन युद्ध में मेलानिया ट्रंप की मध्यस्थता का दावा

एजेंसी ■ वाशिंगटन

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच दक्षिणी यूक्रेन के ओलेशकी शहर में अस्थायी युद्धविराम को लेकर बड़ा दावा किया गया है। उपलब्ध कराए गए विवरण के मुताबिक, अमेरिका की फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप की मध्यस्थता से दोनों पक्ष 29 अक्टूबर 2026 से सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमत हुए हैं। इसका उद्देश्य युद्धक्षेत्र में फंसे नागरिकों तक भोजन, दवाइयां और अन्य जरूरी सहायता पहुंचाना तथा उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना है। हालांकि, इस समझौते और व्हाइट हाउस की कथित पुष्टि की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि जरूरी है। दावे के अनुसार, मेलानिया ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के नेतृत्व के साथ संपर्क कर मानवीय सहायता के मुद्दे पर सहमति बनाने की कोशिश की। बताया गया है कि इस पहल का लक्ष्य राजनीतिक विवादों से अलग हटकर आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले भी युद्ध समाप्त कराने की इच्छा जता चुके हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच व्यापक शांति समझौता अब तक नहीं हो पाया है। दक्षिणी यूक्रेन के

एयरटेल ने एक विशेष

एंटरटेनमेंट पैक पेश किया

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने अपने प्रीपेड ग्राहकों को प्रीमियम डिजिटल मनोरंजन का बेहतर अनुभव देने के लिए वैश्विक वीडियो प्लेटफॉर्म यूट्यूब के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस कदम के तहत, एयरटेल ने एक विशेष एंटरटेनमेंट पैक पेश किया है, जो यूजर्स को यूट्यूब प्रीमियम की सुविधा प्रदान करेगा। यह विशेष सेवा 200 रुपए के डिजिटल टॉप-अप पैक के रूप में उपलब्ध होगी, जिसके साथ ग्राहकों को 30 जीबी अतिरिक्त हाई-स्पीड डेटा भी मिलेगा। यह पैक 28 दिनों की वैधता के साथ आता है। यूट्यूब प्रीमियम के तहत, उपयोगकर्ता बिना किसी विज्ञापन के वीडियो देख सकेंगे, साथ ही बैकग्राउंड प्ले, ऑफलाइन डाउनलोड और यूट्यूब थ्यूजक प्रीमियम का भी निर्बंध आनंद ले पाएंगे। ग्राहक एयरटेल ऐप के रिवॉईस सेक्शन के माध्यम से आसानी से इस सेवा को सक्रिय कर सकते हैं। यह सुविधा किसी भी सक्रिय प्रीपेड प्लान वाले ग्राहकों के लिए मान्य होगी। यह साझेदारी एयरटेल की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह ग्राहकों को केवल कनेक्टिविटी से आगे बढ़कर एक एकीकृत डिजिटल सेवाओं का इकोसिस्टम प्रदान करना चाहती है।

त्योहारों पर निजी बसों ने तीन गुना बढ़ाए किराए

नई दिल्ली। दिवाली और छठ जैसे बड़े त्योहारों से पहले दिल्ली-एनसीआर से उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाले लाखों यात्रियों को निजी बस ऑपरेटरों की मनमानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्री भीड़ का अनुचित लाभ उठाते हुए निजी बसों ने विभिन्न रूटों पर किराए में अप्रत्याशित बढोतरी कर दी है, जिससे आम लोगों का मासिक बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। आम दिनों की तुलना में यात्रियों से दोगुना से लेकर तीन गुना तक अधिक किराया वसूला जा रहा है। ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म्स के आंकड़ों के अनुसार, सामान्य 840-2000 रुपये के किराए अब 2,500 से 4,000 रुपये हो गए हैं। वहीं कुछ लग्जरी बसों का किराया तो 9,999 रुपये तक पहुंच गया है। दिल्ली से पटना रूट पर 12 नवंबर के लिए टिकट 4,800 रुपये से अधिक में मिल रहे हैं, जो सामान्य से 200 प्रतिशत की सीधी वृद्धि है।

टीवीएस आईवयूब ने बिक्री में हासिल किया पहला स्थान

नई दिल्ली। बिक्री के मामले में भारतीय इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में सितंबर 2026 में टीवीएस आईवयूब ने पहला स्थान हासिल किया है। बीते महीने में कुल 45,320 यूनिट्स की बिक्री के साथ, इसने बजाज चेतक को पीछे छोड़ दिया, जो 42,394 यूनिट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहा। हिरो विंडा 28,862 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जबकि एथर रिफ़ और टीवीएस ऑर्बिटर भी शीर्ष पांच में शामिल रहे। इस महीने कुल इलेक्ट्रिक स्कूटर बिक्री 1,86,692 यूनिट्स दर्ज की गई, जो पिछले साल इसी अवधि के 1,11,463 यूनिट्स की तुलना में 67.49 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाती है। हालांकि, अगस्त 2026 के मुकाबले कुल बिक्री में मामूली गिरावट देखी गई, जो मासिक रज़ानों में भिन्नता को दिखाता है।

यूपीआई पेमेंट और इनकम टैक्स, कहीं आप भी न आ जाएं दायरे में!

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आजकल डिजिटल लेनदेन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं, खासकर युनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई)। कई लोगों को यह चिंता सताती है कि बड़े या लगातार डिजिटल भुगतान कहीं उन्हें आयकर विभाग के नोटिस के दायरे में न ला दें। हालांकि, केवल यूपीआई लेनदेन अपने आप में नोटिस का कारण नहीं बनते। आयकर विभाग की नज़र आपकी घोषित आय और बैंक खाते में जमा कुल रकम के बीच बड़े अंतर पर होती है। आपके बैंक खाते में बड़ी रकम का जमा होना या यूपीआई के जरिए लगातार पैसे आना अपने आप में आयकर नोटिस का सीधा कारण नहीं है। आयकर विभाग मुख्य रूप से आपकी घोषित आय और आपके खाते में आने वाली कुल रकम के बीच बड़े अंतर को देखता है। यदि यह अंतर काफी ज्यादा होता है, तो विभाग आपसे पैसें के स्रोत के बारे में जानकारी

मांग सकता है। नकदी जमा और डिजिटल लेनदेन के नियम: आयकर विभाग के स्टेटमेंट ऑफ़ फाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शंस (एसएफटी) नियमों के तहत, बैंकों को एक वित्त वर्ष में बचत खाते में 10 लाख रुपये या उससे अधिक और चालू खाते में 50 लाख रुपये या उससे अधिक की नकद जमा राशि की रिपोर्ट करनी होती है। हालांकि, यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस और आईएमपीएस जैसे डिजिटल लेनदेन के लिए ये नकद जमा सीमाएं सीधे लागू नहीं होतीं। डिजिटल लेनदेन के मामले में, विभाग समग्र आय और लेनदेन पैटर्न का विश्लेषण करता है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति सालाना 12 लाख रुपये की आय घोषित करता है, लेकिन उसके बैंक खाते में पूरे साल 40 लाख रुपये जमा होते हैं, तो यह विसर्गित विभाग का ध्यान आकर्षित कर सकती है। इस अतिरिक्त रकम का स्रोत पूछा जा सकता है। यह रकम परिवार या दोस्तों से मिली

बर्लिन में उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जर्मन उद्योग जगत के प्रमुखों के साथ की बैठक

पीयूष गोयल की बर्लिन यात्रा के दौरान भारत-जर्मनी आर्थिक सहयोग पर ध्यान केंद्रित



एजेंसी ■ नई दिल्ली

केन्द्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 23 अक्टूबर 2026 को बर्लिन में कई तरह की कार्यक्रमों के साथ जर्मनी की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा का समापन किया, जिसमें जर्मन सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, उद्योग जगत के प्रमुखों, अनुसंधान संस्थानों और भारतीय प्रवासियों के सदस्यों के साथ मुलाकात को इन कार्यक्रमों में व्यापार, निवेश, उन्नत विनिर्माण, अनुसंधान और उपरती प्रौद्योगिकियों में भारत-जर्मनी

सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। पीयूष गोयल ने जर्मन फेडरल चांसलरी में आर्थिक और वित्तीय नीति सलाहकार और जी7/जी20 शेरपा लेविन होल के साथ द्विपक्षीय बैठक की। चर्चा में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग और भारत और जर्मनी के बीच आर्थिक और निवेश संबंधों को और मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा हुई। अनुसंधान और नवाचार इको सिस्टम के साथ अपने जुड़ाव के हिस्से के रूप में, गोयल ने जर्मनी में स्थित भारतीय विज्ञान

और प्रौद्योगिकी शोधकर्ताओं और छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स, स्मार्ट मैय्नुफैक्चरिंग, औद्योगिक नवाचार और बैटरी प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों को कवर करते हुए चर्चनित फ़ाउनहोफर संस्थानों के प्रमुखों के साथ एक गोल्मेज सम्मेलन भी आयोजित किया। चर्चाओं ने भारत और जर्मनी के बीच अनुसंधान सहयोग और उद्योग-शिक्षा साझेदारी को मजबूत करने के लिए रास्ते तलाशे।

रोल्स-रॉयस ने चेन्नई में खोला भव्य लग्जरी शोरूम



एजेंसी ■ चेन्नई

रोल्स-रॉयस मोटर कार्स ने चेन्नई में अपना नया, भव्य लग्जरी शोरूम खोलकर भारत के सबसे गतिशील बाजारों में से एक में अपनी वैश्विक पहचान को और मजबूत किया है। यह कदम कंपनी की भारत के प्रति गहरी और ऐतिहासिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो अब चेन्नई और पूरे दक्षिण भारत के ग्राहकों को अद्वितीय बिसपोक कार निर्माण का अनुभव प्रदान करेगा। इस नए शोरूम के उद्घाटन समारोह में रोल्स-रॉयस मोटर कार्स के सेल्स

एंड्र ब्रांड डायरेक्टर, जूलियन जेनकिंस शामिल हुए, जिन्होंने कंपनी के इस महत्वपूर्ण विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया शोरूम चेन्नई और दक्षिण भारत के ग्राहकों को उनकी पसंद के अनुसार तैयार की गई (बिसपोक) कारों के निर्माण के लिए एक अद्वितीय और व्यक्तिगत माहौल प्रदान करेगा। कंपनी के लिए भारत एक सबसे पुराना और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजार रहा है, और यह नया शोरूम इस रिश्ते को और गहरा

करता है। जूलियन जेनकिंस ने भारत के साथ रोल्स-रॉयस के एक सदी से भी अधिक पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा, रोल्स-रॉयस के इतिहास में भारत का एक खास स्थान है। भारतीय ग्राहकों ने हमेशा कुछ सबसे शानदार और कल्पनाशील कारों को तैयार करवाया है, जिससे व्यक्ति की अपनी पहचान और पसंद को दर्शाने वाली एक शानदार विरासत बनी है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह नया शोरूम रोल्स-रॉयस की लग्जरी के असली केंद्र के रूप में पहचान और भारत के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रोल्स-रॉयस मोटर कार्स चेन्नई की एक डीलर ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, एक दशक से भी अधिक समय से, रोल्स-रॉयस मोटर कार्स के साथ हमारा रिश्ता थोरेसे और उत्कृष्टता की साझा चाहत पर टिका है।

दक्षिण भारत में बिसपोक अनुभव को मिलेगा नया आयाम

टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख टायर निर्माता कंपनी जेके टायर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और कंटेनर दुर्लभ महंगी होने के कारण कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि तीसरी तिमाही में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की योजना है। इससे पहले पहली तिमाही में कंपनी ने कीमतें 5 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 7 प्रतिशत बढ़ाई थीं। कंपनी के मुताबिक, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के चलते कारोबारी माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कच्चे माल की लागत लगातार ऊंची बनी हुई है, जबकि सप्लाई चेन में बाधाओं और कंटेनर फ्रेंट की बढ़ी हुई दरों से भी कंपनी पर लागत का दबाव पड़ रहा है। उनके अनुसार, दूसरी तिमाही में कच्चे माल की लागत पहली तिमाही के मुकाबले करीब 9 प्रतिशत बढ़ गई।

सरकार गहरे समुद्र में तेल-गैस

खोज का जोखिम घटाएगी

योजना के संचालन संबंधी दिशानिर्देश जारी



एजेंसी ■ नई दिल्ली

सरकार 84,084 करोड़ रुपए की समुद्र मंथन योजना के तहत गहरे समुद्र में तेल एवं गैस की खोज के जोखिम को कम करने के लिए कंपनियों को वित्तीय सहायता देगी। इसके तहत 56 खोजी कुओं की लागत का 50 प्रतिशत तक और चार भूवैज्ञानिक अध्ययन वाले कुओं की लागत का पूरा खर्च निर्धारित सीमा के भीतर सरकार उठाएगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने योजना के संचालन संबंधी दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। इसका उद्देश्य गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज को प्रोत्साहन देना और आयातित हाइड्रोकार्बन पर भारत की निर्भरता को कम करना है। पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने दिशानिर्देशों की प्रस्तावना में समुद्र मंथन योजना को हाल के वर्षों में तेल एवं गैस की खोज और उत्पादन

के क्षेत्र में सबसे महत्वाकांक्षी पहल बताया। उन्होंने कहा कि इससे भारत के तेल एवं गैस भंडार में 60 करोड़ टन से अधिक तेल समतुल्य संसाधन जुड़ सकते हैं।

दिशानिर्देशों के तहत, 56 खोजी कुओं के लिए सरकार अधिकतम 675 करोड़ रुपए प्रति कुआं और भूवैज्ञानिक अध्ययन वाले चार कुओं के लिए 1,350 करोड़ रुपये प्रति कुआं तक सहायता देगी। इन चार कुओं के लिए सहायता केवल सरकारी कंपनियां

या उनके नेतृत्व वाले गठजोड़ हासिल कर सकेंगे। योजना के तहत 400 मीटर से अधिक गहरे पानी वाले क्षेत्रों को गहरे समुद्र और 1,500 मीटर से अधिक गहरे पानी वाले क्षेत्रों को अति गहरे समुद्र की श्रेणी में रखा गया है। वित्तीय सहायता दो चरणों में दी जाएगी। कुएं की स्वीकृत गहराई का 40 प्रतिशत काम पूरा होने पर मंजू्र राशि का 40 प्रतिशत और कुएं की खुदाई पूरी होने तथा रिपोर्ट मंजू्र होने के बाद शेष 60 प्रतिशत दिया जाएगा।

दुनिया पर कब्जे की रणनीति ड़ैगन पर पड़ रही भारी

निर्यात बढ़ाफिर भी कर्पनियां घाटे में

एजेंसी ■ वीजिंग

चीन के औद्योगिक उत्पादन और निर्यात की ताकत दुनिया भर के देशों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। अमेरिका समेत कई देशों के नीति-निर्माताओं को आशंका है कि चीनी सामान की बाढ़ उनके घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचा सकती है, रोजगार घटा सकती है और महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए उन्हें चीन पर निर्भर बना सकती है। लेकिन चीन की औद्योगिक ताकत के पीछे एक विरोधाभास भी उत्पन्न रहा है। देश की कई फैक्ट्रियां बड़े पैमाने पर

उत्पादन और निर्यात करने के बावजूद मुनाफा कमाने में नाकाम हो रही हैं। लंदन स्थित शोध संस्था कैपिटल इकोनॉमिक्स के अनुसार, चीन की उन औद्योगिक कंपनियों का अनुपात, जो घाटे में चल रही हैं, 2018 के मुकाबले दोगुना होकर इस साल 30 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यानी औद्योगिक क्षेत्र की करीब हर तीन में से एक कंपनी नुकसान उठा रही है। चीन की कंपनियों के लिए समस्या यह है कि निर्यात बढ़ने के बावजूद उनका घाटा जमा होता जा रहा है। उत्पादन और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ने की होड़ के बीच कई कंपनियां पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पा रही हैं।



मेदवेदेव,सितसिपास अल्माटी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

अल्माटी। रूस के शीर्ष वरीयता प्राप्त डैनियल मेदवेदेव और यूनान के स्टेफानोस सितसिपास जीत के साथ ही कजाकिस्तान में जारी अल्माटी ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। मेदवेदेव ने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के टेरेस एटमाने को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। उन्होंने पूरे मुकाबले में शानदार सर्विस के साथ ही विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। मेदवेदेव अब इस सत्र में पना चौथा खिताब जीतने की ओर बढ़ रहे हैं।अल्माटी में जीत से एटीपी फाइनल्स में क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं। अब सेमीफाइनल में उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक या पांचवीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव में से किसी एक से हो सकता है। वहीं एक अन्य मुकाबले में सितसिपास ने ऑस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ को 6-3, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह फरवरी 2025 के बाद से ही हार्ड कोर्ट पर उनका पहला सेमीफाइनल मुकाबला था। सेमीफाइनल में सितसिपास का मुकाबला अब जॉर्जिया के क्वालीफायर निकोलोज बासिलाशाविली से होगा, जिन्होंने एंड्रियन मनारिनो को 6-3, 6-1 से हराकर सभी को हराान किया था।

तिलक एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बने

हेगले ओवल। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। तिलक ने यह उपलब्धि फील्डिंग में हासिल की। मुकाबले के शुरूआती तीन ओवरों में दो कैच पकड़कर तिलक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ी बन गए। तिलक ने न्यूजीलैंड की पारी के शुरूआती ओवरों में टिम साइफर्ट और डेसिल मिचेल के कैच पकड़े। साइफर्ट का कैच अर्शदीप सिंह की गेंद पर आया, जबकि मिचेल को भुवनेश्वर कुमार ने आउट कराया। इन दो कैच के साथ तिलक के इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 26 कैच हो गए और इसी के साथ ही नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। **दिल्ली कैपिटल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच की जिम्मेदार संभालेंगे अमित मिश्रा**

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2027 सत्र के लिए पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा को स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया है। मिश्रा ने भारतीय टीम की ओर 22 टेस्ट 36 एकदिवसीय और 10 टी20 खेले हैं। इसके अलावा आईपीएल में अलग-अलग फ्रैंचाइजी की ओर से 162 मैच खेले हैं। सितंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से वह कोच की भूमिका में उत्रे हैं। अपने खेल करियर के दौरान इस क्रिकेटर ने दिल्ली डेयरडेविल्स डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेल है।



उजबेकिस्तान में जापानी खिलाड़ी आईटीटीएफ टेबल टेनिस मुकाबले में भाग लेती हुई।

पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के तहत 2028 टी20 महिला विश्व कप की मेजबानी करेगा

यूएई में खेले जाएंगे भारत के मुकाबले

एजेंसी ■ लाहौर

पाकिस्तान ने कहा है कि वह हाइब्रिड मॉडल के तहत ही साल 2028 में होने वाले बहुप्रतीक्षित महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार है। वहीं इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईससी) ने कहा था कि विश्वकप 7 सितंबर से 1 अक्टूबर 2028 तक पाकिस्तान में खेला जाएगा। साथ ही कहा कि भारत और पाकिस्तान के मौजूदा राजनीतिक संबंधों को देखते हुए इसमें भारतीय टीम से जुड़े सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाएंगे। यह हाइब्रिड मॉडल एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत जब भी भारत या पाकिस्तान में से कोई देश आईसीसी या एशियाई टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा तो दूसरा देश अपनी टीम के मैच किसी तटस्थ स्थल पर खेल सकता है। इस व्यवस्था को सफल परीक्षण पहले ही 2025 चैंपियस ट्रॉफी में हुआ था जिसकी मेजबानी भी पाकिस्तान ने ही की थी। यह मॉडल दोनों देशों को एक ही टूर्नामेंट में शामिल होने का अवसर प्रदान करता है।

उस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने अपने सभी मुकाबले यूएई में खेले थे और दुबई में फाइनल जीतकर खिताब भी अपने नाम किया था। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने टूर्नामेंट के 15 में से 10 मैचों की सफलतापूर्वक मेजबानी की थी,



जिसमें लाहौर में खेला गया एक सेमीफाइनल भी शामिल था, हालांकि उसमें भारतीय टीम शामिल नहीं थी। यह स्पष्ट करता है कि यह मॉडल बड़े टूर्नामेंटों के सफल आयोजन में सहायक हो सकता है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है कि उनका देश महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि पीसीबी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपनाए गए इसी हाइब्रिड मॉडल को महिला विश्व कप में भी लागू करने की मांग करेगा। अधिकारी ने स्पष्ट किया, हम दोनों ग्रुप के मैचों और उन नॉकआउट मुकाबलों की मेजबानी करना चाहेंगे, जिनमें भारतीय टीम शामिल नहीं होगी।

उन्होंने यूएई को भारत के मैचों के लिए पसंदीदा तटस्थ स्थल बताया। इसके पीछे मुख्य कारण दुबई से पाकिस्तान की कम यात्रा दूरी, जिससे परिचालन लागत में कमी आती है और लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन भी आसान हो जाता है। वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष महिला टीमों में से एक होने के नाते, भारत के नॉकआउट चरण में पहुंचने की प्रबल संभावना है। यदि भारतीय टीम फाइनल में जगह नहीं बना पाती है, तो खिताबी मुकाबला लाहौर में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन की मेजबानी पाकिस्तान के लिए क्रिकेट को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, खासकर महिला क्रिकेट के बढ़ते दायरे को देखते हुए।

डायमंड लीग के 18 वें संस्करण की शुरुआत दोहा से होगी

दोहा। विश्व एथलेटिक्स की इस प्रतिष्ठित ट्रैक एंड फील्ड सीरीज डायमंड लीग का 18वां संस्करण अगले साल 7 मई से कतर की राजधानी दोहा में शुरू होगा। इस लीग में विश्व के अधिकतर शीर्ष एथलीट शामिल होंगे। दोहा के बाद सीरीज के मुकाबले एशिया के अन्य शहरों शंघाई/कैंहियाओ और शियामेन में होंगे। शुरुआती मुकाबलों में एथलीटों को नए सत्र में अपनी लय और फॉर्म साबित करने का अवसर मिलेगा। डायमंड लीग के के मुकाबले इसके बाद 3 जुलाई को अमेरिका के यूजीन, ओरेगन में प्रीफॉन्टेन क्लासिक के नाम से होंगे। इसके बाद सीरीज एक बार फिर यूरोप लौटगी, जहां कई अहम प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।अमेरिका में मुकाबले के बाद डायमंड लीग का आयोजन मोनाको, लुसाने, लंदन, सिलेंसिया और ब्रुसेल्स में होगा। इन प्रतियोगिताओं में एथलीटों के पास बेहतर अंक हासिल कर फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। लीग का फाइनल 25 और 26 अगस्त को स्विटजरलैंड के ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा। दो दिनों तक चलने वाले इस मुकाबले में सीजन के शीर्ष एथलीट डायमंड लीग ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। फाइनल के साथ ही इस प्रतिष्ठित सीरीज के विजेताओं का फैसला होगा। इस सीरीज से खिलाड़ियों को लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा।

अनाहत सिंह सिलिकॉन वैली ओपन 2026 सेमीफाइनल में हारी

एजेंसी ■ रेडवुड सिटी

भारतीय महिला स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह अमेरिका में जारी सिलिकॉन वैली ओपन 2026 में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। अनाहत को सेमीफाइनल में मलेशिया की तीसरी वरीयता प्राप्त शिवसंगरी सुब्रमण्यम के हाथों 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस टूर्नामेंट में अनाहत का प्रदर्शन असाधारण रहा, जहां उन्होंने दुनिया की नंबर तीन खिलाड़ी और शीर्ष वरीयता प्राप्त मिस्त्र क नूर अल शेरबिनी जैसी दिग्गजों को हराकर अपनी प्रतिभा को साबित किया। सेमीफाइनल मुकाबले में अनाहत ने बेहतरनी शुरुआत की और पहला गेम 11-5

से जीतकर उम्मीदें जगा दीं पर शिवसंगरी ने अगले तीन गेम 11-6, 11-4 और 11-7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह दूसरी बार है जब शिवसंगरी ने अनाहत को हराया है। इससे पहले जापान में एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक मुकाबले में उसे अनाहत को पराजित किया था। सेमीफाइनल में हार के बाद भी, रेडवुड सिटी में अनाहत का यह टूर्नामेंट उनके करियर के लिए अहम रहा। इसमें उन्होंने मिस्त्र की दो शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ यादगार जीत दर्ज की। सबसे पहले, उन्होंने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए आठ बार की विश्व चैंपियन और दुनिया की नंबर तीन

खिलाड़ी नूर अल शेरबिनी को सीधे गेमों में 11-8, 11-8, 11-7 से हराकर सभी को हैरान कर दिया। यह जीत अनाहत की क्षमता और बड़े मैचों में दबाव संभालने की उनकी क्षमता का प्रमाण थी। वहीं इसके बाद, छठी वरीयता प्राप्त सलमा हनी के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में भी अनाहत ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से मैच जीता। अंतिम दो गेमों में उन्होंने जिस तरह से अपने खेल का स्तर बढ़ाया और निर्णायक क्षणों में बेहतरीन प्रदर्शन किया, वह वाकई काबिले तारीफ था और उनके मानसिक दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

टेस्ट क्रिकेट में एडम वोर्स के नाम है अनौखा रिकार्ड



एजेंसी ■ मुम्बई

टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज एडम वोर्स के नाम एक ऐसा अनौखा रिकार्ड दर्ज है जिसमें महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी उनसे पीछे हैं। ये है बिना आउट हुए सबसे ज्यादा रन बनाने का। एडम वोर्स ने साल 2015-16 के अपने शानदार दौर में लगातार बिना आउट हुए कुल 614 रन बनाकर एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था।

उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले नाबाद 269 और फिर नाबाद 106 रनों की असाधारण पारियां खेलीं। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंग्टन टेस्ट में भी बेहतरीन फॉर्म दिखाते हुए नाबाद 239 रन बनाए। इस दौरान वे लगातार चार पारियों में आउट नहीं हुए। यह विश्व रिकॉर्ड लगभग एक दशक बीत बाद भी बना हुआ है। वोर्स के तेंदुलकर इस सूची में दूसरे स्थान पर विराजमान हैं। उन्होंने

साल 2003-04 में लगातार आउट हुए बिना 497 रन बटोरे थे। यह उनकी महान तकनीक, धैर्य और अदृढ़ मानसिक दृढ़ता का उत्कृष्ट उदाहरण था। वेस्टइंडीज के सर्वकालिक महान ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स ने 1957-58 में लगातार 490 रन बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया था, उनका यह प्रदर्शन उस युग में उनकी असाधारण बल्लेबाजी क्षमता को दर्शाता है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2012-13 के दौरान अपनी टीम के लिए लगातार 489 रन बिना विकेट गंवाए बनाए, जो उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों का प्रतीक था। पांचवें स्थान पर श्रीलंका के कलात्मक विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा का नाम आता है, जिन्होंने 2007-08 में लगातार 479 रन बनाकर अपनी क्लास और धैर्य का परिचय दिया था।



चीन में निंगबो ओपन टेनिस में खेलती हुई कजाकिस्तान की इलीन रायबकीना।

प्रतिबंध के कारण बिग बैश लीग के पहले मैच से बाहर रहेंगी मेगन

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की की तेज गेंदबाज मेगन शट महिला बिग बैश लीग में 31 अक्टूबर को एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ होने वाले पहले मुकाबले से बाहर रहेंगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मेगन को दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों को तोड़ने के कारण प्रतिबंधित कर दिया था। इसी कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए अंतिम टी20 मैच के लिए शामिल नहीं की गयी थीं हालांकि ये मैच हालांकि बारिश के कारण रद्द हो गया था। सीएक के अनुसार मेगान ने दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का सही से पालन नहीं किया। साथ ही कहा कि मेगन को लेकर है कि यह मामला केवल एक घटना से जुड़ा है, जो प्रतियोगिता से बाहर के समय हुई थी। ये प्रदर्शन बेहतर करने वाली प्रतिष्ठित दवाओं के इस्तेमाल से जुड़ा मामला नहीं है हालांकि नियमों का पालन नहीं करने के कारण ही उन्हें

निलंबित किया गया है। सीए के अनुसार क्रिकेटर से खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा से जुड़े दिशा-निर्देशों के तहत दवाओं के इस्तेमाल नहीं किया जबकि खिलाड़ियों को इन नियमों के बारे में नियमित रूप से जानकारी दी जाती है। ऐसे में हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी होती है कि वह दवाओं से जुड़े नियमों को समझे और उनका पालन करे। वहीं शट ने भी इस फैसले को स्वीकार कर लिया है और अपनी गलती के लिए माफ़ी मांगी है। उन्होंने कहा कि वह अपने ऊपर लगाए गए प्रतिबंध को पूरी तरह स्वीकार करती हैं। साथ ही कहा कि वह मानकों पर खरा नहीं उतरने के लिए अपनी गलती मानती हैं। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों से उम्मीद की जाती है कि वह सभी नियमों का पालन सही से करें।



बिना किसी नुकसान के 43 रन बनाकर मैच में अपनी पकड़ बना ली। इससे पहले आज सुबह इस मुकाबले में न्यूजीलैंड-ए ने टॉस

जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जो सही साबित हुआ। इंडिया ए की ओर से यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की

शुरुआत करने आए केएल राहुल महज 8 गेंद खेलकर एक भी रन बनाये बिनास पवेलियन लौट गए। इसके बाद यशस्वी 17 रन और देवदत्त पांडिक्कल के बीच 30 रनों की साझेदारी हुई, यशस्वी के आउट होने के बाद चौथे नंबर पर आए साई सुदर्शन को साइमन कीन ने शून्य पर ही आउट कर दिया। कप्तान ध्रुव जुरेल भी केवल 1 रन ही बना पाये। एक समय ऐसा लग रहा था कि इंडिया-ए की पूरी टीम 70-80 रनों के भीतर सिमट जाएगी, लेकिन युवा बल्लेबाज यश ने एक छोर पर डटकर संघर्ष किया। उन्होंने 3 छक्के और 3 चौकों की मदद से नाबाद 44 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से किसी भी बल्लेबाज का खास साथ नहीं मिला। वॉशिंगटन सुंदर भी बिना कोई रन बनाए आउट हुए, जबकि अंशुल कंबोजे ने 10 रन

बनाये। इस तरह बल्लेबाजी क्रम में केवल तीन बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। वहीं निचले क्रम के बल्लेबाजों में आकिब नबी ने 5 रन बनाए जबकि अकाश दीप और मुकेश चौधरी अपना खाता खोले बिना ही साइमन कीन के शिकार बने। मेजबानों की ओर से कीन ने अपनी शानदार गेंदबाजी से कुल 5 विकेट लिए। अन्य गेंदबाजों ने भी दबाव बनाये रखा। पहले दिन का खेल खत्म होने तक मेजबान न्यूजीलैंड-ए ने अपनी पहली पारी में बिना कोई विकेट खोए 43 रन बना लिए थे। उनके सलामी बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और आसानी से रन बनाये। इस तरह, पहले ही दिन न्यूजीलैंड ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है और अब उसका लक्ष्य बड़ा स्कोर बनाना रहेगा।

भोपाल▶ आज का तापमान

MIN 20 MAX 31

ब्रीफ न्यूज़

भोपाल में थिंक गैस की लाइन में आग लगी

भोपाल। भोपाल के छोला इलाके से गुजरी थिंक गैस की लाइन में शनिवार दोपहर आग लग गई। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर फायर टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घटना दोपहर साढ़े 12 बजे की है। छोला ब्रिज के पास से भूमिगत थिंक पीएनजी लाइन गुजरी है। शनिवार दोपहर में यहां मेट्रो का काम चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसीबी से खुदाई के दौरान गैस लाइन लीकेज हुई। इस दौरान आग की लपटें 10 फीट तक उठने लगी। गैस लाइन लीकेज होने से इलाके में हड़कंप की स्थिति बन गई। ब्रिज पर लोगों की भीड़ लग गई। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने लोगों को दूर किया। वहीं, छोला फायर टीम मौके पर पहुंची। फायर फाइटर पंकज यादव समेत टीम ने पानी से आग बुझाई। इधर, थिंक कंपनी से लाइन बंद कराई। तब कहीं जाकर आग पूरी तरह से बुझ सकी। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। कुछ महीने पहले शाहपुरा थाने के सामने भी लाइन लीकेज हो गई थी।

गंदगी फैलाने पर 27 दुकानदारों पर 10,500 रुपए का जुर्माना

भोपाल। शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निगम ने लोहा बाजार क्षेत्र में गंदगी फैलाने वाले 27 दुकानदारों पर कार्रवाई करते हुए 10 हजार 500 रुपये का स्पॉट फाइन किया। यह कार्रवाई निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के जोन क्रमांक 2 एवं 4 के अमले ने की। निगम आयुक्त ने शनिवार सुबह सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान दुकानदारों द्वारा गंदगी फैलाए जाने पर नाराजगी जताते हुए सख्ती से जुर्माना लगाने के निर्देश दिए थे। कार्रवाई के दौरान निगम अमले ने दुकानदारों को अपनी दुकानों पर डस्टबिन रखने, कचरा उसमें डालने और निगम के कचरा वाहन को ही सौंपने की समझाइश दी।

रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश

भोपाल। शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शनिवार सुबह पुराने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने दुकानदारों को अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखने और कचरा केवल कचरा वाहन में देने के निर्देश दिए। सड़कों, बेसमेंट और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती से स्पॉट फाइन की कार्रवाई करने को कहा। निगम आयुक्त ने इमामी गेट, भवानी चौक, चौकी इमामबाड़ा, नर्महल रोड, चौक बाजार और जुमराती क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने धूल-मिट्टी की बेहतर सफाई कराने तथा बाजार क्षेत्रों में रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। इमामी गेट चौराहे और भवानी चौक मार्ग पर खड़े ठेलों को पीछे हटवाकर यातायात सुगम बनाने और लेफ्ट टर्न क्लीयर रखने की भी कही।

विरोध

मास्टर प्लान-2047 पर 5 हजार से ज्यादा आपत्तियां पहुंचीं

वेब वार्ता, भोपाल

भोपाल मास्टर प्लान-2047 पर 5 हजार से ज्यादा आपत्तियां पहुंचीं। छुट्टियों के बीच अंतिम तारीख को लेकर असमंजस है। पर्यावरणविद, क्रेडाई और रहवासी समिति ने 27 अक्टूबर तक समय बढ़ाने की मांग की। बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया, कृषि भूमि के उपयोग और भोजताल संरक्षण जोन पर सबसे ज्यादा विरोध है। आपत्तियों की छंटनी में करीब 15 दिन लगने के बाद सुनवाई का शेड्यूल जारी होगा। भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट पर आपत्ति और सुझाव दर्ज कराने की अंतिम तारीख को लेकर असमंजस बढ़ गया है। शनिवार रात 12 बजे तक ऑनलाइन दावे-आपत्तियां दर्ज

नए निगम मुख्यालय को 20 साल तक किराए पर देने समेत कई प्रस्ताव बहुमत से पारित

‘कमीशन’ वाले बयान पर पक्ष-विपक्ष

आमने-सामने

भोपाल। भोपाल नगर निगम परिषद की शुक्रवार को आयोजित बैठक की शुरुआत ही तीखी नोकझोंक और हंगामे के साथ हुई। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी की अध्यक्षता में आईएसबीटी स्थित मीटिंग हॉल में हुई इस बैठक में सरकार द्वारा नियुक्त 12 एलडरमैन और नए निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार का परिचय कराया गया। इसके तुरंत बाद प्रश्नकाल और विभिन्न एजेंडों पर चर्चा के दौरान पक्ष और विपक्ष के पार्षद कई मुद्दों पर आमने-सामने आ गए, जिससे सदन का माहौल गरमा गया।

दूषित पानी और शिक्षा उपकर के विकास कार्यों पर चर्चा

प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस पार्षद देवांशु कंसाना ने दूषित पानी की आपूर्ति और उसकी जांच का कड़ा मुद्दा उठाया। इस पर एमआईसी सदस्य रविंद्र यती ने जानकारी दी कि केवल चार निजी ट्यूबवेल के संपल फेल हुए थे और दूषित पानी से जुड़ी कुल 901 शिकायतों का सफल निराकरण कर दिया गया है। इसके अलावा, वार्ड-46 के पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने शिक्षा उपकर के जरिए मिलने वाली राशि और सरकारी स्कूलों के विकास कार्यों का हिसाब मांगा। उन्होंने बताया कि जनता से कर वसूलने के बावजूद अब तक केवल 12 लाख रुपए ही खर्च हुए हैं। इस पर निगम अध्यक्ष ने कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार को निर्देश दिए कि शिक्षा उपकर की पूरी राशि सरकारी स्कूलों के जीर्णोद्धार में ही खर्च की जाए।

भोपाल कोर्ट में बीडीए ने किया था दावा

नेशनल हेराल्ड की जमीन पर बेदखली का केस खारिज

वेब वार्ता, भोपाल

भोपाल में नेशनल हेराल्ड की जमीन से बेदखली के मामले में जिला कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए बीडीए का केस खारिज कर दिया। बीडीए ने जमीन के कथित दुरुपयोग के आधार पर आवंटन निरस्त कर बेदखली के लिए सिविल केस दायर किया था। सुनवाई पूरी होने के बाद शनिवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। नेशनल हेराल्ड की प्रकाशन कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को वर्ष 1981 में एमपी नगर स्थित प्रेस कॉम्प्लेक्स में 1.14 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। इस जमीन से हिंदी दैनिक नवजीवन का प्रकाशन होता था। वर्ष 1992 में अखबार



का प्रकाशन बंद हो गया। कर्मचारियों के वेतन और भत्तों का पूरा भुगतान नहीं किए जाने का मामला जबलपुर हाईकोर्ट में उठे कोर्ट भगोड़ा घोषित कर चुका है। भित्तल के पूर्व पार्टनर और आपराधिक मामले के आरोपी हरमहेन्द्र सिंह बगाना ने इमारत में खरीदे गए हिस्से का मालिक घोषित किए जाने की मांग को लेकर सिविल केस दायर किया है। दो अन्य खरीदारों ने भी मालिकाना हक घोषित करने के लिए कोर्ट में अर्जियां लगाई हैं। ये सभी मामले अलग-अलग को बेच दिए गए।

2014 में बीडीए ने जारी किया था नोटिस

जमीन के कथित दुरुपयोग को लेकर बीडीए ने वर्ष 2014 में कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। कंपनी के तत्कालीन चेयरमैन मोतीलाल वीरा ने नोटिस का जवाब दिया, लेकिन बीडीए उसे संतोषजनक नहीं मानते हुए आवंटन निरस्त कर बेदखली के लिए कोर्ट पहुंच गया। इस कार्रवाई के बाद इमारत के हिस्से खरीदने वाले लोगों ने अपने-अपने दावे पेश किए। कुछ खरीदारों ने हाईकोर्ट से स्थगन आदेश भी हासिल किए, जिससे मामला लंबा खिंचता गया।

मिलावटखोरों पर तीन करोड़ जुर्माना, वसूली सिर्फ 30 फीसदी



वेब वार्ता, भोपाल

मध्यप्रदेश में मिलावट के मामलों में 3.15 करोड़ रुपए से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया, लेकिन वसूली सिर्फ 1.23 करोड़ रुपए हुई। 22 अक्टूबर तक प्रदेश में 1,894 मामले लंबित थे। नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा 344, उज्जैन में 285 और भोपाल में 68 प्रकरण लंबित हैं। राजधानी में 54 मामलों का निराकरण हुआ और 4.36 लाख रुपए की वसूली दर्ज की गई। खाने-पीने की चीजों में मिलावट करने

वालों पर जुर्माना लगाने के बावजूद पूरी राशि वसूलने में खाद्य एवं औषधि प्रशासन पीछे है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 1 अप्रैल से 22 अक्टूबर 2026 के बीच मिलावट से जुड़े मामलों में कुल 3 करोड़ 15 लाख 83 हजार 500 रुपए का अर्थदंड लगाया गया, लेकिन वसूली 1 करोड़ 23 लाख 71 हजार 150 रुपए ही हुई। यानी लगाए गए जुर्माने की करीब 39 प्रतिशत राशि ही सरकारी खजाने में जमा हुई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आंकड़ों के

अनुसार, इस अवधि में प्रदेशभर में 1,081 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जबकि 1,894 मामले अब भी लंबित हैं। वसूली और लंबित मामलों के निपटारे की स्थिति पर भी सवाल खड़े करते हैं। राजधानी भोपाल में मिलावट से संबंधित 68 प्रकरण लंबित हैं, जबकि 54 मामलों का निराकरण किया गया है। इन मामलों में 6 लाख 50 हजार रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया और 4 लाख 36 हजार 500 रुपए की वसूली दर्ज की गई।

भाजपा पार्षदों ने घेरी अध्यक्ष की आसंदी

नेता प्रतिपक्ष शशिस्ता जकी बोलीं— किसी से माफी नहीं मांगूंगी

भोपाल नगर निगम परिषद की बैठक में भारी हंगामा



दिशा सूचक बोर्ड और विसर्जन घाट से जुड़े अन्य अहम मुद्दे

बैठक में विज्ञापन और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस पार्षद नसीम गफूर ने दिशा सूचक बोर्डों पर राजनीतिक विज्ञापनों और नेताओं के फोटो लगाने पर आपत्ति जताई। अधिकारियों ने बताया कि शहर के 85 वार्डों में लगे 95 दिशा सूचक बोर्डों के विज्ञापनों से निगम को करोड़ों की आय हो रही है। इस पर कड़ा सवाल उठते हुए अध्यक्ष ने कमिश्नर को दिशा सूचक बोर्डों से तुरंत पोस्टर और बैनर हटाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही वार्ड-5 के पार्षद अशोक मारण ने विसर्जन घाट के निर्माण कार्य में हो रही देरी का मुद्दा उठाया, जबकि अन्य पार्षदों ने सफाईकर्मियों की कमी को दूर करने के लिए नई भर्तियों की मांग भी प्रमुखता से रखी।

केरवा डैम के आसपास एनजीटी कमेटी के सर्वे में 19 मामले दर्ज



नाले पर कंक्रीट संरचना मिलने से पानी के बहाव में बाधा की आशंका जताई गई है।कमेटी ने मेंडोरा, बरखेड़ी बाज्याफत, कुशलपुरा, मुल्ला जी की टेकरी और फतेहपुर डोंगरा सहित विभिन्न स्थानों पर निर्माण, दीवारों और जमीन में बदलाव के मामले दर्ज किए हैं। इनमें कुछ निर्माण बाटनिकल गार्डन की जमीन और बफर या ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में बताए गए हैं।

पहले 33 मामले, अब 19 की सूची

पहले सर्वे में 33 कथित अतिक्रमण सामने आए थे। इनमें 18 सरकारी और 15 निजी जमीन पर बताए गए थे। नए सर्वे में 19 मामलों दर्ज हैं। अब 29 अक्टूबर की सुनवाई में कमेटी की रिपोर्ट अहम होगी।

सर्वे में दर्ज प्रमुख मामले

- मेंडोरा: बाटनिकल गार्डन की जमीन पर रैस्टोरेंट निर्माण, एफटीएल के पास रिटेनिंग वाल और पक्के कमरे।
- निशा डागा का मामला: 0.93 हेक्टेयर जमीन में भराव और निर्माण जारी होने का उल्लेख।
- सूर्यवंशी बंधु: ग्रीन बेल्ट में कृत्रिम तालाब दर्ज।
- पीजेपी एस्टेट, बरखेड़ी बाज्याफत: बाटनिकल गार्डन की जमीन पर रिटेनिंग वाल और आरसीसी सड़कें।
- मुल्ला जी की टेकरी: बफर/ग्रीन बेल्ट में तीन परतों वाली दीवार और बंगले का उल्लेख।
- महुआखेड़ा: पुराने आदेश के बावजूद मिट्टी का भराव नहीं हटाने की बात दर्ज।

सुरंग देने वाले को परिवार देगा एक लाख

भोपाल में किसान के घर से 50 लाख की चोरी



वेब वार्ता, भोपाल

धार्मिक यात्रा पर गए भोपाल के किसान के सूने मकान में चोरी हो गई। ग्राम सिकंदराबाद निवासी परिवार के मुताबिक, चोर 20 तोला से अधिक सोने के आभूषण, करीब आधा किलो चांदी और नौ गुल्लकों में रखे 9 लाख रुपए ले गए। चोरी गई संपत्ति की कुल कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई गई है। किसान ने आरोपियों का सुरंग देने और उन्हें पकड़वाने में मदद करने वाले को एक लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस से चोरी गई संपत्ति की मात्रा और घटनाक्रम पर संदेह जताया है। जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

दो दिन बाद घर लौटने पर पता चली चोरी

पुलिस के मुताबिक, किसान 21

अक्टूबर को दोपहर 1 बजे घर में ताला लगाकर परिवार के साथ ओरछा दर्शन के लिए गए थे। 23 अक्टूबर की देर रात लौटने पर उन्हें चोरी का पता चला। 24 अक्टूबर को मामला दर्ज किया गया। शनिवार को पुलिस एफएसएल टीम के साथ जांच के लिए पहुंची। डॉंग स्क्वॉड ने आधा किलोमीटर के दायरे में तलाश की। पुलिस को आसपास के लोगों पर भी संदेह है।

रानी हार, मंगलसूत्र और चूड़ियां समेत जेवर चोरी

परिवार के मुताबिक, चोरी गए सामान में सोने का रानी हार, गले के दो हार, चार जोड़ी टॉपस, पांचाली, सोने की चूड़ियां, तीन अंगूठियां, बिंदिया, मंगलसूत्र और सोने की चैन शामिल हैं। चांदी का करघौना और चैन भी चोरी हुई हैं। चोर घर में रखी नकदी भी ले गए।